@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 2 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 238 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

एजेंसी
विक्टोरिया। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई।

इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए।

बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए।

एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत

एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है। नवी मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार को सड़क पर भरे पानी में करंट फैल गया। इस दौरान नेरुल के एलपी ब्रिज के नीचे से गुजर रहीं टू-व्हीलर सवार दो छात्राएं करंट लगने से गिर गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली-राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंचा

मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

देश में जून में 39.8 फीसदी कम बारिश

देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3mm के मुकाबले केवल 99.5mm बारिश हुई, जो 39.8फीसदी कम है। IMD ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है।

व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त

• मेटा को नोटिस भेजकर तीन दिन में मांगा जवाब

रोल आउट पर लगाई रोक

एजेंसी
लखनऊ । व्हाट्सएप के नए यूजरनेम फीचर पर अब सवाल उठने लगे हैं। सुरक्षा को लेकर शुरू हुई बहस के बीच सरकार की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस फीचर की मदद से कोई भी उपयोगकर्ता सरकारी एजेंसियों, बैंकों या जानी-मानी हस्तियों से मिलते-जुलते यूजरनेम बनाकर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर सकता है। फर्जी पहचान और ऑनलाइन धोखाधड़ी की आशंकाओं को देखते हुए सरकार ने व्हाट्सएप को नोटिस भेजकर फीचर की पूरी जानकारी मांगी है।

रोल आउट पर लगाई रोक

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने भारत में व्हाट्सएप में यूजरनेम फीचर लाने को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया है। सरकार ने मेटा से यूजरनेम फीचर के बारे में तीन दिनों के भीतर विस्तृत जानकारी देने को कहा है। सरकार ने मेटा से कहा है कि जब तक इस मुद्दे पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर को रोल आउट न करे।

सरकार को आशंका है कि व्हाट्सएप के इस नए फीचर की वजह से ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले बढ़ सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी। सरकार इस फीचर के कानूनी ढांचे और संबंधित प्रावधानों की समीक्षा कर रही है। सरकार व्हाट्सएप से इस फीचर के प्रभाव, सुरक्षा उपायों और भविष्य की योजनाओं पर स्पष्टीकरण मांगेगी। भारत में व्हाट्सएप के लगभग 50 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। वहीं, व्हाट्सएप का दावा है कि यह फीचर उपयोगकर्ताओं की निजता बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

भारत-पाक के बीच कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान, जल्द रिहाई की मांग

भारत ने पाकिस्तान से सजा पूरी कर चुके 188 भारतीय कैदियों और मछुआरों की जल्द रिहाई और वतन वापसी की मांग दोहराई है।

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान ने कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत बुधवार को अपनी-अपनी हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की ताजा सूची का आदान-प्रदान किया है। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान से सजा पूरी कर चुके 188 भारतीय कैदियों और मछुआरों की जल्द रिहाई और वतन वापसी की मांग दोहराई है। नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक माध्यमों (डिप्लोमैटिक चैनल) के जरिए एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया। इस दौरान विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पाकिस्तान से नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नौकाओं और पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद लापता भारतीय रक्षा कर्मियों को जल्द रिहा कर भारत भेजने की मांग की। भारत और पाकिस्तान के बीच साल 2008 में हुए कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत दोनों देश हर साल

एक जनवरी और एक जुलाई को अपनी हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं। भारत ने पाकिस्तान को अपनी हिरासत में मौजूद 386 नागरिक कैदियों और 53 मछुआरों की सूची सौंपी है।

सभी पाकिस्तानी हैं या उनके पाकिस्तानी होने की संभावना है। वहीं, पाकिस्तान ने भारत को अपनी हिरासत में मौजूद 52 नागरिक कैदियों और 198 मछुआरों की सूची दी है। ये भारतीय हैं या उनके भारतीय होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'भारत सरकार लगातार पाकिस्तान से नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नौकाओं और लापता भारतीय रक्षा कर्मियों को जल्द रिहा करके भारत भेजने की मांग करती रही है। पाकिस्तान से कहा गया है कि वह उन 188 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई और भारत वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाए, जो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं।' मंत्रालय ने बताया, 'इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तान से मांग की है कि वह अपनी हिरासत में मौजूद उन 13 नागरिक कैदियों को तुरंत कांसुलर एक्सेस दे, जिन्हें भारतीय माना जाता है, लेकिन अब तक यह सुविधा नहीं दी गई है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से कहा है कि जब तक इन कैदियों की रिहाई और भारत वापसी नहीं हो जाती, तब तक उनकी सुरक्षा, देखभाल और भलाई सुनिश्चित की जाए।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत सरकार के लगातार प्रयासों की वजह से 2014 से अब तक पाकिस्तान से 2,661 भारतीय मछुआरे और 78 भारतीय नागरिक कैदी भारत लौट चुके हैं। इनमें 2023 से अब तक वापस आए 500 भारतीय मछुआरे और 20 भारतीय नागरिक कैदी भी शामिल हैं।

केतन अग्रवाल हत्याकांड

लोहगढ़ किले पर क्राइम सीन रीक्रिएट कराया गया, जांच तेज

एजेंसी
लोनावला। चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में पुलिस हर एक एंगल से जांच कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने बुधवार को आरोपी को लोहगढ़ किले ले जाकर क्राइम सीन को रीक्रिएट कराया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य घटना से जुड़े सभी तथ्यों का सत्यापन करना और जांच को आगे बढ़ाना है। डीएसपी गजानन टोम्पे ने इस संबंध में आईएएनएस को बताया कि आज आरोपी को लोहगढ़ ले जाया गया, जहां घटना जिस प्रकार हुई थी, उसी क्रम में पूरे क्राइम सीन को दोबारा रीक्रिएट कराया गया। सुबह ही इस पूरी प्रक्रिया को पूरा किया गया और आरोपी ने घटनास्थल पर वही क्रम दिखाया, जैसा उसने जांच के दौरान बताया था। पुलिस ने उसी आधार पर क्राइम सीन को रीक्रिएट किया। डीएसपी ने कहा कि अब जांच के दौरान जो भी आवश्यकता होगी, उसे न्यायालय के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद अदालत के निर्देशों और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच की प्रगति के सवाल पर डीएसपी टोम्पे ने बताया कि अब तक जिन-जिन लोगों के इस मामले से जुड़े होने की जानकारी पुलिस को मिली है, उन सभी के संबंध में सावधानीपूर्वक जांच की जा रही है। आवश्यक व्यक्तियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं और आगे जांच में जो भी नए तथ्य या व्यक्ति सामने

आएंगे, उन पर भी पूरी गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पूरे मामले की जांच पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी) के मार्गदर्शन में की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन जांच की समीक्षा की जाती है ताकि जांच सही दिशा में आगे बढ़े। फिलहाल पुलिस की जांच निर्धारित दिशा में जारी है और सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

बिहार विधान परिषद के 10 नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

पहली बार सदन पहुंचे पवन सिंह-निशांत कुमार

शपथ ग्रहण के बाद सभी सदस्यों ने सदन की गरिमा बनाए रखते हुए जनता के हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया।

एजेंसी
पटना। भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह ने बुधवार को बिहार विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेकर औपचारिक रूप से अपनी नई राजनीतिक पारी की शुरुआत की। पटना स्थित बिहार विधान मंडल परिसर में आयोजित समारोह में नवनिर्वाचित 10 विधान परिषद सदस्यों को सभापति अवधेश नारायण सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत जनता दल (यूनाइटेड) के ललन प्रसाद से हुई। इसके बाद भाजपा के अनिल ठाकुर, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अशरफ अंसारी ने शपथ ली। चौथे क्रम पर बिहार के

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने विधान परिषद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की, जबकि उनके बाद पांचवें क्रम पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने शपथ ली। निशांत कुमार और पवन सिंह दोनों पहली बार विधान परिषद पहुंचे हैं। ललन प्रसाद को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर निर्वाचित किया गया है। नीतीश कुमार ने मार्च 2026 में राज्यसभा सदस्य बनने के बाद विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण के दौरान तीन नवनिर्वाचित महिला सदस्यों ने भी विधान परिषद की सदस्यता की शपथ ली। इनमें जदयू की भारती मेहता और शिवरानी देवी के अलावा शीला प्रजापति शामिल रहीं। इसके बाद भाजपा के संजय मयूख ने शपथ ली, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुनील कुमार सिंह ने सबसे अंत में सदस्यता की शपथ ग्रहण की।

बिहार विधान परिषद के इस शपथ ग्रहण समारोह के साथ सभी 10 नवनिर्वाचित सदस्य औपचारिक रूप से सदन का हिस्सा बन गए। इनमें सबसे अधिक चर्चा भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की रही, जिन्होंने मनोरंजन जगत से सक्रिय राजनीति तक का सफर तय करते हुए अब विधायक परिषद सदस्य के रूप में अपनी नई भूमिका की शुरुआत की है।

अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग बने रहेंगे पंजाब कांग्रेस प्रधान

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने नेताओं को नई जिम्मेदारी दी है। पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष के पदों पर तो कोई बदलाव नहीं किया लेकिन इन पदों पर दावेदार नेताओं को जिम्मेदारी देकर असंतोष को खत्म करने का प्रयास किया है। नई नियुक्तियों के साथ पार्टी ने प्रदेश में दलित, जट्ट सिख, हिंदू तथा अन्य जातिगत समीकरणों में संतुलन बनाने का प्रयास किया है। सभी वर्गों एवं गुटों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं को एड्जस्ट कर दिया गया है।कई दिनों तक चली बैठकों के बाद बुधवार शाम महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जालंधर के सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव प्रचार कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। चन्नी का नाम पिछले कई दिनों से प्रदेश अध्यक्ष के लिए चल रहा था। इस कमेटी में पार्टी के वरिष्ठ नेता सुखपाल सिंह खैहरा, राणा गुरजीत सिंह तथा पटियाला के सांसद डॉ धर्मवीर गांधी को को-चेयरपर्सन लगाया है।

प्रियांक खड़गे की 'रजिस्ट्रेशन' की मांग पर विवाद के बीच 10 जुलाई से कर्नाटक में आरएसएस की बैठक

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कर्नाटक के बेलगावी में 10 से 12 जुलाई तक अपनी तीन दिवसीय प्रांत प्रचारक बैठक आयोजित करेगा। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। यह तब होगा जब हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे लगातार संघ से उसके पंजीकरण दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। इस सालाना संगठनात्मक बैठक में आरएसएस के टॉप लीडर और देशभर से वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। इनमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत,

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सभी प्रांत प्रचारक और अलग-अलग सहयोगी संगठनों के संगठनात्मक सचिव शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में पिछले साल संघ की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी और आने वाले महीनों में होने वाले कार्यक्रमों और विस्तार की योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में संगठनात्मक तालमेल को मजबूत करने, चल रही गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने, पहुंच बढ़ाने वाले कार्यक्रमों का विस्तार करने और आरएसएस व उसके सहयोगी संगठनों के लिए प्राथमिकताएं तय करने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

जपान की प्रधानमंत्री आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं

एजेंसी
नई दिल्ली। जपान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि यह दौरा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ताकाइची का कल राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे हैदराबाद हाउस में परधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगी। वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच समझौतों के आधान प्रदान और प्रेस वक्तव्य का भी कार्यक्रम तय है। दोपहर में जपानी नेता बिजनेस फोरम में भाग लेंगी और अगले दिन सुबह उनकी वापसी होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा और सुदृढ़ीकरण करने के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

भारत-मलेशिया की रणनीतिक साझेदारी

रक्षा सहयोग को मिलेगा नया विस्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और मलेशिया ने अपने रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत नई दिल्ली में 1 जुलाई को सैन्य सहयोग पर 12वीं भारत-मलेशिया उप-समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा से जुड़े लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और भविष्य के सहयोग का खाका तैयार किया। बैठक के दौरान दोनों देशों ने सैन्य सहयोग की अब तक की प्रगति की समीक्षा की। सैन्य

अभ्यास, सैनिकों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, स्टाफ वार्ताओं, क्षमता निर्माण और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए सहयोग पर संतोष व्यक्त किया गया। दोनों पक्षों ने माना कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा संबंध लगातार मजबूत हुए हैं और अब इन्हें अगले स्तर तक ले जाने का समय आ गया है। भारत और मलेशिया ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच संपर्क और बढ़ाया जाएगा। सैनिकों को एक-दूसरे के प्रशिक्षण संस्थानों में भेजने, पेशेवर अनुभव साझा करने और संयुक्त गतिविधियों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच बेहतर समझ और तालमेल विकसित होगा। बैठक में रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीक पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों ने रक्षा प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, रक्षा उत्पादन तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया। तेजी से बदलते सुरक्षा माहौल को देखते हुए इन क्षेत्रों को भविष्य की जरूरत बताया गया। क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा हालात पर भी चर्चा हुई।

भारत और मलेशिया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता बनाए रखने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों देशों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान और नियम-आधारित व्यवस्था के जरिए ही क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सकती है।

के खिलाफ सहयोग को भी महत्वपूर्ण

राष्ट्र की प्रगति में डाक कर्मियों का अतुलनीय योगदान: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्र की प्रगति में अपने अथक समर्पण और निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डाक कर्मियों को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस के अवसर पर पूरे देश ने सलाम किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन कर्मठ सेवकों को बधाई दी, उनके बलिदान और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह दिवस उन लाखों डाक कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जो न केवल संदेशों और पार्सलों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों को भी संचार और विश्वास की डोर से बांधे रखते हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर हम अपने डाक कर्मचारियों के अटूट समर्पण, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं, जो देश भर में दूरियों को मिटाते हुए लाखों लोगों को आपस में जोड़ते हैं। उनकी अथक कोशिशों से यह सुनिश्चित होता है कि हर चिट्ठी, पार्सल और संदेश भरोसे, देखभाल और विश्वसनीयता के साथ अपनी मंजिल तक पहुंचे। आपकी अमूल्य सेवा के लिए दिल से आभार। गडकरी के ये शब्द भारतीय डाक सेवा के विशाल नेटवर्क और उसके पीछे की मानवीय शक्ति का सटीक चित्रण करते हैं। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी डाक कर्मियों की भूमिका को सराहा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डाक कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को राष्ट्र की प्रगति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास देश के विकास में अहम है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के कोने-कोने तक विश्वास, संवाद और सेवा का संदेश पहुंचाने में डाक कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संचार, सेवा और विश्वास की डोर को सशक्त बनाने में डाक कर्मियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ ये कर्मी प्रत्येक नागरिक तक डाक, वित्तीय सेवाएं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी डाक कर्मियों की कर्मनिष्ठा, समयबद्ध सेवा और जनसमर्पण को देशवासियों के विश्वास का सशक्त माध्यम बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी डाक कर्मियों के अथक परिश्रम, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसने देश के कोने-कोने तक संवाद और विश्वास

के सेतु को मजबूत किया है। भारतीय डाक सेवा, जो अपनी स्थापना के बाद से लगातार विकसित हो रही है, आज केवल चिट्ठियां पहुंचाने तक सीमित नहीं है। यह वित्तीय सेवाओं, बीमा योजनाओं, पासपोर्ट सेवाओं और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है।

21 घंटे के संघर्ष के बाद बोरवेल में गिरे मासूम निर्भय ने तोड़ा दम

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला जिले के धनौरा गांव में उस वक्त मातम छा गया जब एक खुले बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे निर्भय को 21 घंटे तक चले अथक बचाव अभियान के बाद भी बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया है, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब मासूम निर्भय खेलते-खेलते अचानक खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन, भारतीय सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया गया था। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बचाव दल ने चौबीसों घंटे काम किया। बोरवेल के समानांतर एक गड्ढा खोदा गया, जिसमें ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई और लगातार बच्चे की स्थिति पर कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही थी। हालांकि, 21 घंटों की लगातार कोशिशों के बाद जब आखिरकार बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाला गया, तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी जांच की। मेडिकल ऑफिसर डॉ. ऋषिपाल के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू वाली जगह पर आप में से कई लोग सुबह से ही मौजूद थे। कई घंटों की लगातार कोशिशों के बाद बच्चे को आखिरकार बाहर निकाला गया और तुरंत इमरजेंसी डिपार्टमेंट में भेजा गया। रेस्क्यू वाली जगह पर ही हमने देखा कि बच्चे की हालत बहुत गंभीर थी। जब उसे अस्पताल लाया गया, तो हमने ईसीजी किया, जिससे पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को मॉर्चरी में भेज दिया गया।

राम मंदिर दान में गबन : साध्वी निरंजन ज्योति ने जाहिर की पीड़ा, जांच पर जताया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में हुए गबन पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रकरण से सभी रामभक्त और श्रद्धालु आहत हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि जांच सही ढंग से हो रही है और दोषी पकड़े जाएंगे। साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि घटना से उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी चोट पहुंची है, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में दिन-रात सेवा की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी और सरकार मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने त्वरित कार्रवाई और आठ-नौ लोगों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि जांच उचित दिशा में है और सभी को इसमें सहयोग करना चाहिए। साध्वी निरंजन ज्योति ने ट्रस्ट पर उठ रहे सवालों पर कहा कि जिन लोगों पर भरोसा किया गया था, उन्हीं कार्य में जुटे लोगों ने विश्वासघात किया। उन्होंने घटना पर अपनी हैरानी जताकर कहा कि 500 साल के लंबे संघर्ष के बाद, इसतरह का प्रकरण का एक-दो साल में ही सामने आना बिल्कुल सही नहीं है। अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर उन्होंने राजनीतिक टीका-टिप्पणी से बचने और जांच को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की।

अमरनाथ यात्रा : रजिस्ट्रेशन शुरू, पंजीकरण के लिए भक्तों का उमड़ा सैलाब

जम्मू (एजेंसी)। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर में तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इसी कड़ी में, बुधवार से जम्मू में यात्रियों के लिए मौके पर पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रक्रिया शुरू होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतारों में खड़े दिखे, जिससे यात्रा को लेकर उनका जबरदस्त उत्साह साफ दिखा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शुक्रवार को तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले है। भक्तों ने यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की सराहना की। एक उत्साहित तीर्थयात्री ने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे पहले बैच में मौका मिलेगा। मैं काफी समय से कोशिश कर रहा था। एक अन्य अनुभवी यात्री ने पिछली बार के मुकाबले इस बार की व्यवस्थाओं को और बेहतर बताया। कुछ श्रद्धालुओं ने पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड प्राप्त करने में थोड़ी प्रतीक्षा का अनुभव साझा किया, लेकिन उनका कहना था कि इसके बाद बाबा बर्फानी के दर्शन का विश्वास और सुकून मिल जाता है। इसी बीच, यात्रा का पहला जत्था रवाना होने से पहले श्रीनगर के ट्रांजिट कैंपों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी है। कई पहली बार यात्रा पर आए भक्त बेहद उत्साहित दिखे। एक महिला तीर्थयात्री ने अपनी आस्था व्यक्त कर कहा, मैं बाबा भोलेनाथ में आस्था लेकर आई हूं। उन्होंने हमें बुलाया है और वही दर्शन कराएंगे। उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की, बताते हुए कि कैंप में सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। गौरतलब है कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगी। यात्रा के लिए दो मुख्य मार्ग हैं पहलगाम मार्ग, जिसमें मंदिर तक पहुंचने में लगभग चार दिन लगते हैं, और बालटाल मार्ग, जो छोटा है और अक्सर उसी दिन वापसी की जा सकती है।

कोलकाता पुलिस ने 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाने पर लगाई पाबंदी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी ने बुधवार को कोलकाता पुलिस की ओर से 21 जुलाई को मध्य कोलकाता में निषेधाज्ञा लागू करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। टीएमसी का कहना है कि इस इलाके में पार्टी हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाती है। कोलकाता पुलिस ने जानकारी दी गई कि इस साल सीईएससी हाउस के सामने शहीद दिवस मनाने की इजाजात नहीं दी जाएगी। कोलकाता पुलिस की ओर से उस इलाके में धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत एक ही समय और जगह पर तय संख्या से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। टीएमसी के बागी नेताओं की ओर से कोलकाता पुलिस के इस फैसले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन टीएमसी नेताओं ने कहा है कि वे इस मामले को कानूनी और राजनीतिक स्तर पर उठाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के चार बार लोकसभा सांसद रहे कल्याण बनर्जी का कहना है कि पूरे इलाके में धारा 163 लागू करना और वह भी दो महीने के लिए गैर-कानूनी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएम सुवेंदु अधिकारी लोगों के लोकतांत्रिक रूप से इकट्ठा होने और संगठित विरोध प्रदर्शनों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि हम इस आदेश के खिलाफ निश्चित रूप से कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हम केस दायर करेंगे। हम कानूनी और राजनीतिक, दोनों तरह से इसका मुकाबला करेंगे। हमें देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि लोगों के लोकतांत्रिक आंदोलन को इस तरह नहीं रोका जा सकता।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार, पिता को किया सैल्यूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के नए थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में आयोजित गार्ड ऑफ ऑनर समारोह में एक अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण दिखाई दिया। गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद, जनरल सेठ ने अपने पिता, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ, को सैन्य सैल्यूट किया। पिता ने भी पलटकर सैल्यूट किया, जिसके बाद नए सेना प्रमुख ने अपने पिता सहित वहां मौजूद परिजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य उपस्थित सैन्य अधिकारियों, जवानों और अतिथियों के लिए विशेष प्रेरणा का केंद्र रहा। इस समारोह में जनरल सेठ के छोटे भाई, रियर एडमिरल रवनीश सेठ भी मौजूद थे, जिन्होंने बड़े भाई को सैल्यूट कर अपनी खुशी व्यक्त की। भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे रहे इस परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चादं लगा दिए। यह सैन्य परंपरा, पारिवारिक संस्कारों और राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट समर्पण का एक अनूठा संगम था। पदभार संभालने के बाद, भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख जनरल सेठ ने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना उनके लिए गर्व और विनम्रता का विषय है। उन्होंने 'कर्तव्य, सम्मान और राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांतों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखाकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प लिया। नए थलसेना प्रमुख ने राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका साहस, समर्पण और निस्वार्थ सेवा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। जनरल सेठ ने 30 जून 2026 को सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है। इससे पहले वे सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित सभी पूर्व सेना प्रमुखों के योगदान को नमन किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र जनरल सेठ ने दिसंबर 1986 में भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था।

सोनम वांगचुक की सेहत बिगड़ने पर दीपके ने केंद्र पर साधा निशाना

-प्रधानमंत्री विदेश यात्राओं में व्यस्त इन मुद्दों के लिए समय नहीं

-जंतर-मंतर पर जारी भूख हड़ताल के बीच शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, लेकिन उनकी मांगों को लेकर उनका संकल्प पहले की तरह मजबूत बना हुआ है। दीपके ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री तो विदेश यात्राओं में व्यस्त हैं, उनके पास इन मुद्दों के लिए समय ही नहीं है।

अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि सोनम वांगचुक की तबीयत हर घंटे बिगड़ रही है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इससे पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया था कि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का वजन लगभग दो किलोग्राम कम हो गया है तथा उनका रक्तचाप लगातार गिर रहा है।

सीजेपी पिछले 12 दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी की प्रमुख मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें पद से हटाया जाए। साथ ही परीक्षा प्रणाली में हुई कथित अनियमितताओं की जवाबदेही तय करने की भी मांग की जा रही है। इन्हीं मांगों के समर्थन में सोनम वांगचुक ने रविवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान अभिजीत दीपके से पूछा गया कि विरोध प्रदर्शन के बीच देश में दो अन्य परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस पर उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास इन मुद्दों के लिए समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकताएं अलग हैं और छात्रों की परीक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा के खिलाफ आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने को कहा

-पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा को लेकर व्यापक अंतरिम आदेश से अदालत का इनकार

-राजनीतिक आलोचना वाली सामग्री नहीं हटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें आंशिक राहत दे दी है। अदालत ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित पांच आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है, लेकिन कथित मानहानिकारक सामग्री को हटाने या उनके व्यक्तित्व अधिकारों (पर्सनैलिटी राइट्स) की सुरक्षा के लिए कोई व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। इस आदेश के आधार पर कहा जा रहा है कि राजनीतिक आलोचनाओं वाली सामग्री नहीं हटाई जा सकेगी।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल पीठ ने कहा कि जिन पांच दस्तावेजों पर याचिकाकर्ता ने विशेष आपत्ति जताई थी, उन्हें हटाया जाए। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि शेष सामग्री प्रथम दृष्टया मानहानिकारक या व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में नहीं आती। इससे पहले 21 मई को अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई के दौरान भी अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि मामला पर्सनैलिटी राइट्स से अधिक राजनीतिक आलोचना का प्रतीत होता है। अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक नेताओं के निर्णयों की आलोचना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है और ऐसे मामलों में व्यक्तित्व अधिकारों तथा मानहानि के दावों के बीच अंतर करना आवश्यक है।

राघव चड्ढा ने अपनी याचिका में सोशल मीडिया पर प्रसारित एआई-जनित डीपफेक वीडियो, मॉर्फ्ड तस्वीरों, सिंथेटिक वॉयस क्लोनिंग, मनगढ़ंत भाषणों और अन्य भ्रामक डिजिटल सामग्री पर रोक लगाने की मांग की थी। अदालत को बताया गया कि कुछ तस्वीरों में उन्हें साड़ी पहने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन पर पैसे बरसाते हुए दिखाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस प्रकार की सामग्री का उद्देश्य यह संदेश देना है कि उन्होंने राजनीतिक लाभ या धन के लिए अपना पक्ष बदल लिया। सुनवाई के दौरान चड्ढा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने दलील दी कि संबंधित सामग्री अश्लील, भ्रामक और मानहानिकारक है। वहीं, अदालत ने टिप्पणी की कि एक राजनीतिक नेता को आलोचना और व्यक्तिगत हमले के बीच अंतर समझना चाहिए तथा हर आलोचनात्मक सामग्री को व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जा सकता। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि प्रतिवादियों की पहचान स्पष्ट न होने की स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर एमिकस क्यूरी (अदालत की सहायता के लिए नियुक्त अधिवक्ता) नियुक्त किया जा सकता है। फिलहाल, अदालत ने केवल पांच दस्तावेज हटाने के निर्देश देते हुए व्यापक अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है।

मणिपुर सीमा पर टेंशन, नागा नाकाबंदी के खिलाफ सड़क पर उतरे कुकी

सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला

इंफाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत में शांति की स्थापना की राह अभी भी चुनौतियों से भरी दिख रही है। मणिपुर में हालिया हिंसा की घटनाओं के बाद अब एक बार फिर हालात संवेदनशील हो गए हैं। इस बार तनाव का केंद्र नागा संगठनों द्वारा जारी आर्थिक नाकाबंदी और उसके खिलाफ कुकी समुदाय का तीखा विरोध है। इम्फाल वेस्ट और कांगपोकपी जिले की सीमा पर मंगलवार को उस समय स्थिति गरमा गई जब लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी नाकाबंदी के विरोध में मार्च निकालते हुए आगे बढ़ने लगे। हालांकि, सुरक्षाबलों ने समय रहते उन्हें रोक लिया और किसी भी बड़ी झड़प को टालते हुए हालात को बिगड़ने से बचा लिया। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मणिपुर में जातीय तनाव अभी भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और किसी भी छोटी चिंगारी से एक बार फिर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक, कांगपोकपी जिले के मोटबुंग और गामगिफाई इलाके से लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी गामगिफाई में एकत्र हुए और इम्फाल वेस्ट के कांगलाटोंगबी क्षेत्र के नामदिलोंग की ओर मार्च करने लगे। उनका मुख्य आरोप था कि नागा संगठनों की लगातार जारी आर्थिक नाकाबंदी से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रदर्शनकारी नेशनल हाईवे पर सामान्य आवाजाही बहाल करने और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को गामगिफाई से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी और स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया। हालांकि किसी बड़े टकराव की खबर नहीं है, लेकिन पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है और प्रशासन लगातार दोनों पक्षों की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

पिछले कई हफ्तों से नागा सिविल सोसायटी संगठनों द्वारा एनएच-2 पर विरोध प्रदर्शन और आर्थिक नाकाबंदी जारी है। यह आंदोलन विशेष रूप से छह नागा नागरिकों की हत्या के विरोध में किया जा रहा है। बीते सप्ताह भी उस समय झड़प हुई थी, जब सुरक्षा बलों ने कुकी नागरिकों को सुरक्षा के घेरे में इस मार्ग से निकालने की कोशिश की थी, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। कुकी-जो संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने शनिवार आधी रात से केंद्र और मणिपुर सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। संगठन ने मांग की थी कि कांगपोकपी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय और अंतरराज्यीय राजमार्गों पर आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाए। चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो विरोध प्रदर्शन और तेज किए जा सकते हैं।

दवाओं की भी आपूर्ति हुई ठप

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे विवाद की जड़ उन छह नागा नागरिकों की हत्या है, जिनके लिए न्याय की मांग करते हुए नागा संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर व्यापक आर्थिक नाकाबंदी कर रखी है। इस नाकाबंदी से कांगपोकपी जिले में आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और रोजमर्रा की चीजों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है, जिससे कुकी समुदाय में भारी नाराजगी है। इसी नाराजगी के चलते कुकी समुदाय के लोगों ने इस प्रदर्शन का निर्णय लिया। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा क्षेत्र में पहले से ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात थे।

डीएमके का 100 करोड़ का मानहानि केस वापस : अन्नामलाई ने कहा, अपने हर आरोप पर कायम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को अहम मोड़ आया, जब भाजपा के पूर्व नेता के. अन्नामलाई ने दावा किया कि डीएमके सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस लिया है। इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए अपने सभी भ्रष्टाचार के आरोपों पर आज पूरी तरह कायम हैं।

यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित डीएमके फाइल्स कैंपेन से जुड़ा है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं, विशेषकर टी.आर.बालू और उनके परिवार की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। अन्नामलाई ने हुए बताया कि बालू ने डीएमके फाइल्स के माध्यम से उनके और उनके परिवार की संपत्ति व कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए यह मानहानि का केस दायर किया था।

अन्नामलाई ने बताया कि सुनवाई के दौरान उन्होंने खुद मामले में पैरवी की और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने आरोप लगाया कि जिरह के दौरान बालू ने अदालत में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके जवाब में उन्हें डीएमके सांसद के खिलाफ एक अलग मामला दायर करना पड़ा था। अन्नामलाई ने कहा, आज, थिरु टी.आर. बालू ने अपनी मर्जी से मेरे खिलाफ दायर मानहानि का केस वापस लेने का फैसला किया।

भाजपा के पूर्व नेता ने स्पष्ट किया कि केस वापस लेना बालू का अपना निर्णय था, लेकिन वे पिछली डीएमके सरकार और पार्टी के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई हर एक टिप्पणी पर अडिग हैं। उन्होंने अपनी कानूनी टीम और समर्थन देने वाले वकीलों को धन्यवाद देकर पोस्ट का समापन सत्य की हमेशा जीत होती है! के कथन के साथ किया। यह घटनाक्रम अन्नामलाई द्वारा हाल ही में घोषित वी द लीडर्स आंदोलन के राजनीतिक पार्टी में बदलने की तैयारी के बीच आया है, जिसका लक्ष्य जुलाई तक 50 लाख सदस्य जोड़कर तमिलनाडु में गवर्नेंस, भ्रष्टाचार और ड्रग्स की बढ़ती समस्या जैसे मुद्दों पर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प प्रदान करना है।

मंगलुरु में बारिश में मकान पर गिरा मलबा, दो बच्चियों समेत तीन की मौत

मंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में बारिश में एक मकान ऊंचाई से गिरे मलबे में दब गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। तीन घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि वे खतरे से बाहर हैं। मंगलुरु के नागोरी में कंकनाडी पुलिस स्टेशन के पीछे यह घटना सुबह करीब 4.30 बजे हुई जब ऊंचाई पर बने एक घर की कंपाउंड वॉल चार अलग-अलग इमारत पर गिर गई। एक घर का पिछला हिस्सा पूरी तरह से ढह गया। इससे मकान में रहने वाले लोग अंदर फंस गए। घटना के तुरंत बाद लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे। आपातकालीन कर्मियों ने एक पुरुष और दो लड़कियों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, मलबे के नीचे फंसी एक महिला और दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव अभियान के बाद उनके शव बरामद किए गए।

रात भर हुई मूसलाधार बारिश से मुंबई में कई सड़कें जाम, पेड़ गिरने से छात्र की मौत

-भारी जलजमाव के चलते अंधेरी सबवे पर यातायात बंद, कई जिलों में अलर्ट जारी

गांधीनगर (एजेंसी)।
मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई और उसके उपनगरीय इलाकों में रात भर हुई मूसलाधार बारिश से आर्थिक राजधानी के पहिये धीमे हो गए। भारी जलजमाव के कारण अंधेरी सबवे को एहतियातन यातायात के लिए बंद करना पड़ा। रात भर हुई भारी बारिश से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है और लोगों ने एक्स पर ट्रैफिक में देरी की जानकारी दी है। प्रभावित इलाकों में ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। भारी बारिश के बाद सोमवार और मंगलवार को भी अंधेरी सबवे में पानी भर गया था। हालांकि दिन में पानी कम हो गया था, लेकिन रात में फिर से हुई बारिश के कारण दोबारा पानी भर गया, जिससे अधिकारियों को पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले इस अहम रास्ते को फिर से बंद करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मानसून की बारिश ने मुंबई और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में ज़ोरदार दस्तक दी, जिससे बड़े पैमाने पर अव्यवस्था और ट्रैफिक में रुकावटें आईं और उपनगरों में एक दुखद घटना भी हुई। पश्चिमी उपनगरों में कई जगहों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं, जिससे सड़कें बुरी तरह जाम हो गईं। डीएन नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक पेड़ उखड़कर गिर गया, जिससे एक बस को नुकसान पहुंचा और आसपास की चीजें कुचल गईं, जिससे लोकल ट्रैफिक रुक गया।

ईस्टर्न फ्रीवे पर कम विजिबिलिटी और फिसलन भरी सड़कों के कारण मंगलवार सुबह दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। अंधेरी में स्वामी विवेकानंद रोड पर भी एक बड़ा पेड़ गिर गया। पेड़ काटने वाली मशीनों के साथ नगर निगम के कर्मचारियों को तैनात किया। कम विजिबिलिटी और धीमी गति से ट्रैफिक चलता रहा क्योंकि मुंबई में ज़ोरदार बारिश हो रही थी। फ्रीवे पर दो गाड़ियों की टक्कर हो गई, जिससे और देरी हुई; दुर्घटना में घायल लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई और उसके आसपास के उपनगरों में लगातार भारी बारिश और बीच-बीच में आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की है और नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और कमज़ोर ढांचों और घने पेड़ों वाले इलाकों से दूर रहें। इस बीच, चेंबूर में एक स्कूल बस पर बड़ा पेड़ गिरने से 11 साल के छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। भारी बारिश और तेज़ हवाओं ने मुंबई में तबाही मचाई।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि फिलहाल भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना कम है और इस इलाके के लिए चेतावनी का स्तर बढ़ा दिया है। कोंकण क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि तट पर लगातार भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है। पुणे ज़िले के

लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर तेज़ बारिश हो रही है और छोटे-मोटे भूस्खलन का खतरा है और पुणे शहर के लिए येलो अलर्ट क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश लगातार हो रही है।

गॉव गढी रण ढाला में दादा भैय्या का विशाल भंडारा हुआ

भारतीय धार्मिक परंपरा में सेवा और सामाजिक समरसता के महत्वपूर्ण प्रतीक: तस्वीर सिंह

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। उत्तरी पश्चिमी लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत मुण्डका विधान सभा क्षेत्र के गांव गढ़ी रण ढाला में दादा भैय्या का विशाल भंडारा किया गया रविवार को प्रात: 8 बजे विशाल कलश यात्रा निकाली गई 29 जून सोमवार प्रात: नौ बजे हवन 11 बजे कीर्तन भंडारा सुबह 11 बजे शुरु हुआ बाबा इंद्रदास जी ने बताया कि दादा भैय्या का विशाल भंडारा गॉव गढी रण ढाला निजामपूर, बाम डौली, बराही गाँव के सहयोग से किया जा रहा है दादा भैय्या के प्रांगण में महिलाओं ने भजन कीर्तन किया और कई मंदिरों के साधू संतों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सुबह से लोगो का आना शुरू हुआ क्षेत्र के निगम पार्षद एवं अनेक राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों और कई गांव की पंचायत में प्रधानों ने उपस्थिति दर्ज कराई। और प्रसाद ग्रहण किया और मन्दिरों में निर्माण के लिए लोगों ने दिल खोल कर चंदा दान किया, इतनी गर्मी में मन्दिर के प्रांगण में आने वाले लोगो का ताता लगा हुआ था गर्मी की परवाह न करते हुए महिलाओं और बच्चे भी पहुंचते रहे। भाई सूरज भान ने दादा भैय्या और चार गावों के बारे के इतिहास के बारे में जानकारी दी। करीब दो बजे क्षेत्र लोकप्रिय सांसद योगेंद्र चंदोलिया और हरदिल अजीज विधायक भाई गजेंद्र दलाल और युवा नेता अमित माथुर पहुंचे उनके पहुंचने पर इनका ढोल नगा ? के साथ जोरदार स्वागत किया गया उन्होंने सबसे पहले दादा भैया पर माथा ठेक कर आशीर्वाद लिया फिर उन्होंने दादा भैया के जोरदार जयकारा लगवाया उन्होंने आये हुये सभी लोगों का हृदय से आभार व्यक्त किया विधायक भाई गजेंद्र दयाल ने दादा भैया मंदिर से सेवा समित गांव गढ़ी रण ढाला अध्यक्ष चौधारी कश्मीर सिंह छिल्लर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण के लिये जो प्रयास किये इनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है और इस मंच से ऐलान करता हूं कि मेरी सेवा की जब भी जरूरत में हमेशा तैयार

रहेगा चौधरी कश्मीर सिंह आ ?ती ने संसद योगेंद्र चंदोलिया और विधायक गजेंद्र दयाल को पग ?ी बांध कर सम्मानित किया कुछ गाँव की समस्याओं से अवगत कराया उन्होंने पूरा आश्वासन दिया कि एक - एक कर सभी समस्याओं का हल किया जाए फिर उन्होंने सरकार द्वारा बनाई गई कुछ योजनाओं के बारे में लोगों को बताया। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। पूरा वातावरण भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव तथा जय श्रीराम के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। भंडारे की व्यवस्था में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और युवाओं ने सक्रिय सहयोग किया। सभी श्रद्धालुओं को व्यवस्थित ढंग से बैठाकर प्रसाद ग्रहण कराया गया। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े। आयोजन स्थल पर स्वच्छता और सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज में सेवा, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि भंडारा केवल भोजन वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि मानव सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने भी आयोजन की सराहना करते हुए इसे सफल और प्रेरणादायक बताया। स्थानीय गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर श्रद्धालुओं की सेवा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा मिलती है। कई लोगों ने भंडारे की व्यवस्था और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

डकैती के चार आरोपी गिरफ्तार, गोली लगने से दो घायल

बरेली। बरेली में बहेड़ी थाना पुलिस ने महिलाओं से कुंडल लूटने की घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से लूटे गए कुंडल और अवैध हथियार बरामद किए हैं। सीओ बहेड़ी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि 18 जून 2026 को चुरेली नहर पुलिया के पास डकैती की घटना हुई थी। चंद्रपाल अपनी पत्नी और साली के साथ ससुराल से लौट रहे थे। तभी दो बाइक पर सवार छह बदमाशों ने उनसे कुंडल छीन लिए थे। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के अनावरण के लिए सर्विलांस, एसओजी और बहेड़ी थाना की संयुक्त टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पहचान की गई। 20 जून की रात दरोगा मोहित मावी पुलिस बल के साथ पचपेड़ा चौराहे पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुड़िया नवी बख्श की ओर से दो बाइक पर छह संदिग्ध व्यक्ति आते दिखे। पुलिस को देखकर बदमाश वापस भागने लगे, जिस पर पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। आगे से प्रभारी निरीक्षक बहेड़ी की गाड़ी आती देख बदमाशों ने अपनी बाइकें लभेदी गांव की ओर मोड़ दीं। तेज रफ्तार के कारण दोनों बाइकें गिर गईं। ललित और सचिन नामक दो बदमाश चोटिल हो गए। चार अन्य बदमाश खेतों की ओर भागे और पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में विकास और सौरभ नामक दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल होकर गिर गए। पुलिस ने विकास, सौरभ, ललित और सचिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके दो साथी मौके से फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से लूटे गए एक जोड़ी कुंडल बरामद हुए हैं। इसके अलावा, पुलिस ने तीन अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त दो बाइकें भी बरामद की हैं। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और उनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

बिल्डर-उद्योगों पर गिरेगी गाज ? नोएडा-ग्रेनो में अवैध भूजल दोहन पर हृत्रञ्ञ सख्त, भूजल विभाग को कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कथित अवैध भूजल दोहन के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश भूजल विभाग को शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने कहा है कि यदि जांच में अवैध रूप से संचालित ट्यूबवेल या बोरवेल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी प्रावधानों के तहत दंडात्मक और सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई क्षेत्रों में निजी बिल्डर, उद्योग और अन्य लोग अवैध रूप से भूजल का दोहन कर रहे हैं। विशेष रूप से नोएडा के सेक्टर-145 और 153 तथा ग्रेटर नोएडा के टेक जोन स्थित सेक्टर-94 और 150 का उल्लेख किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ ने अधिकरण को बताया कि अवैध भूजल दोहन रोकने के लिए लगातार केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (ष्टत्रङ्ख) और अन्य संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भेजी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। सुनवाई के दौरान एनजीटी ने कहा कि सबसे पहले इस मामले में सक्षम प्राधिकारी, यानी उत्तर प्रदेश भूजल विभाग के समक्ष विस्तृत शिकायत और संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। अधिकरण ने याचिकाकर्ता को ऐसा करने की अनुमति देते हुए मूल याचिका का निस्तारण कर दिया। एनजीटी ने निर्देश दिया कि शिकायत मिलने के बाद उत्तर प्रदेश भूजल विभाग मामले की विधिसम्मत जांच कराए, मौके पर सत्यापन करे और यदि कोई ट्यूबवेल या बोरवेल अवैध रूप से संचालित पाया जाता है तो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए उचित कार्रवाई करे। अधिकरण ने यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी करने को कहा है। माना जा रहा है कि इस आदेश के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अवैध भूजल दोहन के मामलों पर प्रशासनिक निगरानी और सख्ती बढ़ सकती है।

पंचायत चुनाव पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने के सरकार के आदेश पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनाव में देरी को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने अरविंद राठौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए 25 मई 2026 और 26 मई 2026 के उन सरकारी आदेशों को %गैर-मौजूद% (असंवैधानिक) करार दिया, जिनसे चुनाव टाले गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये आदेश अधिनियम, 1947 की धारा 12 (3-ए) के तहत पारित किए गए थे, जिसे %प्रमोद लाल पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य% मामले में उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पहले ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। न्यायालय ने जोर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 243 ई और 243 (के) के तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच साल का निश्चित होता है और चुनाव समय पर होने चाहिए। राज्य सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट लंबित होने को देरी का कारण बताया, जिस पर कोर्ट ने हैरानी जताई कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद ओबीसी आयोग ने अब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि मतदाता सूची 10 जून 2026 को प्रकाशित हो चुकी है और वे चुनाव कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन राज्य सरकार से आवश्यक लॉजिस्टिक्स न मिलने के कारण चुनाव में बाधा आ रही है। न्यायालय ने प्रधानों को प्रशासक के रूप में जारी रखने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम अवसर देते हुए एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें ओबीसी आयोग की रिपोर्ट और चुनाव कराने की स्पष्ट समय-सीमा का उल्लेख हो। यदि सरकार ऐसा करने में विफल रहती है, तो संबंधित प्रतिवादी संख्या दो (जिसने 25 मई 2026 का आदेश जारी किया था) को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देना होगा कि असंवैधानिक प्रावधानों के तहत आदेश क्यों जारी किए गए। ऐसा न करने पर इसे प्रथम दृष्टया अवमानना माना जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 को दोपहर दो बजे होगी।

देवर के प्यार में पागल भाभी ने बहाने से बुलाई लड़की

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित रिश्तेदारी में आई बालिका को नशीला पदार्थ पिलाकर छेड़छाड़ करने के आरोपी देवर, भाभी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया। मंगलपुर थानाध्यक्ष महेश कुमार दुबे ने बताया कि शनिवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर झींझक रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर नवनीत व महोई स्टैंड के पास घेराबंदी कर उसकी भाभी गायत्री को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी नवनीत ने पुलिस को बताया कि उसके भाभी गायत्री के साथ करीब दो साल पहले प्रेम संबंध हो गए थे। भाभी के गर्भवती होने के चलते वह काफी समय से शारीरिक संबंध नहीं बना पा रहा था। 18 जून की सुबह भाई के रिश्तेदारी में चले जाने के बाद उसने पूर्व में बनाई योजना के तहत भाभी से पड़ोस में रहने वाली महिला के घर गर्मी की छुट्टी मनाने आई 12 वर्षीय बालिका को खेलने के बहाने अपने घर बुलवाया। यहां देवर-भाभी ने बालिका को कोल्ड ड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाई। साथ में ही उन दोनों ने भी शराब पी। बालिका के नशे में होने पर भाभी बालिका को उसके पास कमरे में छोड़ गई। जब उसने बालिका को पकड़ा तो वह शोर मचाने लगी। शोर सुन घर पर बालिका की मामी आ पहुंची और भांजी को अपने साथ घर ले गई। इधर बालिका की नानी ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद से दोनों बाहर भागने की फिराक में यहां-वहां छिपते घूम रहे थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। वहां से दोनों को जेल भेजा गया है। लोगों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि, घायल महिला को इलाज के लिए हैलट में भर्ती कराया गया है।

NAME CHANGE

I, SYED SARA ARSHAD D/O MOHAMMAD ARSHAD R/O HOUSE NO H.NO. 3071-73, 4TH FLOOR, PRATAP STREET, DARYA GANJ 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM SYED SARA ARSHAD TO SYED SARAH ARSHAD FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SHABINA ARSHAD W/O MOHAMMAD ARSHAD R/O HOUSE NO H.NO. 3071-73, 4TH FLOOR, PRATAP STREET, DARYA GANJ 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHABINA ARSHAD TO SHABINA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

MINOR NAME CHANGE

I JAI KUMAR DAGAR Son of DHARAMPAL DAGAR, Residing at H NO 743, Mohalla Patti, Malik Pur Village, Malik Pur Zer-Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110073 have changed the name of my minor daughter MANVI aged 14 years and She shall hereafter be known as MANVI DAGAR. [01/07, 21:03] Indian Publisiti Agency:

MINOR NAME CHANGE

I KUSUM DEVI W/O AJAY R/O H NO-15/2, Taimoor Nagar Ext Near Khizrabad, New Frinds Colony, Po: New Frinds Colony, Dist: South East Delhi, Delhi-110025 have changed the name of my minor daughter SALVI aged 06 years and She shall hereafter be known as SHARVI.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Amaan to inform to the public at large that Mrs. Zakara is the owner of Residential Old House No. 83 (New House No. 108), area measuring 81.10 sq. mtrs, situated at Mohalla Afganan, Tehsil and District Ghaziabad, U.P. vide Sale Deed dated 18.04.2023 (Doc No. 3882) executed by Shri Sanjeev Kumar and Shri Rajeev Bathla and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni. That, Original Sale Deed dated 01.08.1961 (Doc. No.496) executed by competent officer, Moradabad Zone, Meerut in favour of Shri Jagan Nath in respect of the said property has lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE

I, JITENDER KUMAR RAJU S/o Suresh Chand R/o A-36, Street No.8, Nr. Keshav Vidya Mandir, West Vinod Nagar, Delhi-110092 have changed my name to JITENDRA RAJU permanently.

NAME CHANGE

I, MANOJ S/o Kamal Singh R/o WZ-1, Gali No.8, Sadh Nagar, Palam Colony, Delhi-110045, have changed my name to MANOJ KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I, SUBHASH KUMAR S/o Mangty Lal R/o S-601, 2nd Floor, Gali No.5, School Block, Shakarpur, Delhi-110092, have changed my name to SUBHASH CHANDRA permanently

NAME CHANGE

I MOHD NASIM s/o AHSAN ELAHI r/o 6318, GALI HAJI AMIR BAKSH, QURESH NAGAR, SADAR BAZAR, DELHI-110006. Have changed my name to MOHD NASEEM.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Anu Verma** is the owner of Entire Third Floor (with roof/terrace rights) part of Property bearing Municipal No. 3835/3099 (part of Old Plot No. 24-A), having land area measuring 100 sq. yds., situated at Gali No. 226, situated in the abadi known as Ganesh Pura-B (presently known as Chander Nagar), Tri Nagar, in the area of village Chowkri Mubarkabad, Delhi vide Sale Deed dated 22-05-2026 which is registered as Doc. No.2026/15/I/8251, in Book No. I, Volume No.17651, Page Nos. 145-170 on 23-05-2026(SRO- VI-APitampuraand Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** That The SMC Of late Kishan Swaroop is not available and later on his wife Mrs. Girja Devi sold the entire property in 2023. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, RESHMA PERVEEN W/O MOHAMMAD ZAKIR R/O House No-2160 KATRA MEHAR PARWAR NEAR LAL MASJID DARYA GANJ DELHI - 110002 Have Changed My Name To RESHMA PARVEEN Permanentlty

NAME CHANGE

I, IRAM RAIS W/O MOHSIN KHAN R/O House No-1464 KATRA MALLA KALA MAHAL JAMA MASJID DELHI GPO DELHI - 110006 Have Changed My Name To IRAM KHAN Permanentlty

NAME CHANGE

I, EKTA CHAUHAN wife of No 15745181F, Rank-HAV, Name-RAJKAMAL SINGH, residing at H NO-875 (PROFESOR COLONY), PO & TEH-SHIKOHABAD, DIST-RIROZABAD, UTTAR PRADESH-205135, have changed my name from EKTA CHAUHAN to EKTA TOMAR for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15414151K, Rank-HAV, Name-PANKAJ KUMAR PANDEY of ARMY HOSPITAL (R&R), have changed my mother's name from LAXMI NARYAN PANDEY to LAKSHMI DEVI PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MUKTABAI, is legally mother of Army No. 2803947N, Rank – Hav, Name – JAWAK BAPUSAHEB NANASAHEB, presently residing at Vill – Ranjangaon, Post – Ranjangaon, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 413703, have changed my name from MUKTABAI to MUKTABAI NANA JAWAK for all future purposes. Vide affidavit dated 01/07/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NANASAHEB, is legally father of Army No. 2803947N, Rank – Hav, Name – JAWAK BAPUSAHEB NANASAHEB, presently residing at Vill – Ranjangaon, Post – Ranjangaon, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 413703, have changed my name from NANASAHEB to NANA RAMBHAU JAWAK for all future purposes. Vide affidavit dated 01/07/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SAVITA, is legally mother of Army No. 2821515F, Rank – Sep, Name – GHORPADE ASHWIN NANDU, presently residing at Vill – Raipur, Post – Raipur, Teh – Chandwad, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 423104, have changed my name from SAVITA to SAVITA NANDU GHORPADE for all future purposes. Vide affidavit dated 01/07/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Ajay Kumar singh S/o Mritunjay Prasad Singh, R/o Plot No. CJ-3, Khasra No. 7/25, 16/5/2 and 16/5/1, Shyam Vihar Phase-II, Najafgarh, South West Delhi, Delhi - 110043 have changed my son's name from Yug singh Chauhan to Yug Singh

NAME CHANGE

I, Varsha W/O Narender Dagar R/O Asawta, Palwal Haryana 121102 I, Have Changed My Name To Versha

NAME CHANGE

I, IKHLAS AHMED S/O NOOR MOHAMMAD Residing at HOUSE NO A-24 GALI NO-11 CHOUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to MOHD IKHLAS for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SALMA BEGUM W/O MOHD IKHLAS Residing at HOUSE NO A-24 GALI NO-11 CHOUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to SALMA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MADHU KASANA W/O ROHIT R/O Sikhrani, PO: Loni, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as MONIKA.

NAME CHANGE

I hitherto know as PINKI W/O SATENDRA R/O 131,Gandhi Nagar Ailum, P.O-Ailum, District-Shamli, Uttar Pardesh, pin-247771 have changed my name and shall here after be known as SUSHMA DEVI.

NAME CHANGE

I, SUDHIR KUMAR, S/o Vijay Pal Singh R/o House No.-688, Sector-2B, Vasundhara, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as SUDHIR SINGHAL.

NAME CHANGE

I, Lalit Bhatia s/o Mohan Dass Bhatia Address: 194, G-8 Area, Rajouri Apartments, Mayapuri, New Delhi, 110064 have changed my name to Lalit Kumar Bhatia for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MANISH SINGLA S/O SATISH KUMAR residing at H NO-60B, NEAR AGGARWAL DHARAMSHALA, MEETHAPUR, BADARPUR, DELHI-110044 have changed my name to MANISH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, S K SINGLA S/O SHIV HARI MAL residing at H NO-60B, NEAR AGGARWAL DHARAMSHALA, MEETHAPUR, BADARPUR, DELHI-110044 have changed my name to SATISH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, AUSTIN BINDAL S/O APPY BINDAL R/O H-1/1B KRISHNA NAGAR SHAHDARA DELHI 110032, CHANGED MY NAME TO AUSTIIN BINDAL.

NAME CHANGE

I, MOHIT S/O RAM SINGH R/O H.NO-3 GALI NO 14 BLOCK-D SHEETLA COLONY SEC-5 GURGAON HARYANA 122001, CHANGED MY NAME TO MOHIT SINGH.

NAME CHANGE

I, SHAMIM S/O QUAZI MUSHIR HUSSAIN R/O D-157, GALI NO 2 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO MOHD SHAMIM.

NAME CHANGE

I, MD SHAHBAZ S/O SALEEM R/O H.NO E-106 STREET NO 2 CHAND BAGH NORTH EAST DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO MOHD SHAHBAZ.

NAME CHANGE

I, SHAYNE DIAS S/O ANTHONY IVAN DIAS R/O H-104 AMARPALI SILICON CITY SEC-76 NOIDA UP 201316, CHANGED MY NAME TO SHAYNE CHRISTOPHER DIAS.

NAME CHANGE

I , Kuldeep Singh Malik S/O Hari Singh Malik R/O- Y-141 , DLF Capital Greens , Shivaji Marg , Moti Nagar , Karampura ,PO - Ramesh Nagar , Delhi - 110015 have changed my name to Kuldeep Singh S/O Hari Singh for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ASLAM S/O MOHD IKHLAS Residing at HOUSE NO A-24 GALI NO-11 CHOUHAN BANGAR NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to MOHD ASLAM for all future purpose.

NAME CHANGE

I PAREKSHA DAUGHTER OF SUNNY JAIN, RESIDENT OF 46-2D, Gali No. -16 EAST AZAD NAGAR, shahdra, Delhi - 110051 Changed my name to PREKSHA JAIN

NAME CHANGE

S/O fazlu Rehman R/O A 32 gali number 8 mohalla dilshad masjid mustafabad delhi 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO atiq malik

NAME CHANGE

I, NUZHAT SHAMIM W/O MD MUSHTAQUE R/O TYPE 1, H NO-176, PRESS COLONY, MAYAPURI, NEW DELHI-110064, I have changed my name from NAZHAT SHAMIM to NUZHAT SHAMIM for all future purpose.

NAME CHANGE

SAEED AHMED S/O KHALIL AHMED R/O WARD NO 7, NUH, DISTT NUH MEWAT HARYANA 122107. HAVE CHANGED OF MY NAME SAEEM AHMAD TO SAEED AHMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I ANJU SINGH W/O SHYAM SINGH R/O H.NO 6, ZILE SINGH FARM PARK LANE CHURCH ROAD VASANT KUNJ DELHI- 110070 have changed my minor son's name YASH TO YASH MEHLA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I AASHIYA W/O FAKRUDDIN R/O , S-120/60 VIVEKANAND CAMP-2 CHANAKYA PURI DELHI -110021 have changed my name to ASHIA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I FAKHRUDDIN S/O SABBIR R/O , S-120/60 VIVEKANAND CAMP-2 CHANAKYA PURI DELHI -110021 have changed my name to FAKRUDDIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, SHUKLA JHAMNANI W/O HIRA LAL JHAMNANI R/O 24/27 RAJINDER NAGAR, NEW DELHI RAJENDER NAGAR, DELHI 110060, I have changed my name from SHUKLA TO SHUKLA JHAMNANI for all future purpose.

NAME CHANGE

I KALEY s/o ABDUL AZIZ r/o B-26 MARKET, OLD SEEMA PURI, SHAHDARA, DELHI-110095. Have changed my name to KALE MALIK.

NAME CHANGE

I, SADQEEN / SUWADKEEN W/O A MUNGANI residing at 362, PARTAPUR, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-245411 have changed my name to SVADKIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I RAHISUDDIN r/o B-25-26 MARKET, J.J COLONY, OLD SEEMA PURI, SHAHDARA, DELHI-110095. Have changed my name to RAHISUDDIN MALIK.

NAME CHANGE

I MEENA BEGUM r/o B-25-26 MARKET, J.J COLONY, OLD SEEMA PURI, SHAHDARA, DELHI-110095. Have changed my name to MEENA MALIK.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, LEELAVATI KUSHWAHA mother of NO – 15723636M, Rank - L/NK, Name – K KUSHWAHA residing at VILL-GERUARI-169, PO-PADARIYA, TEHSIL-GURH, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486123, have changed my name from LEELAVATI KUSHWAHA to LILAVATEE KUSHWAHA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 12/06/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1972 vide Affidavit dated 01/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Atique ur rahman S/O fazlu Rehman R/O A 32 gali number 8 mohalla dilshad masjid mustafabad delhi 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO atiq malik

NAME CHANGE

I hitherto Known as TAJINDER KAUR alias HARPREET KAUR D/o CHANCHAL SINGH W/o SARABJIT SINGH , Residing at House No. 33, Masjid Road, Opposite Masjid, Bhogal, Jangpura, Delhi - 110014 have changed my name and shall hereafter be known as HARPREET KAUR.

NAME CHANGE

I, Ankit Kumar Singh S/o Arun Kumar Singh R/o T-11,1104, Ace Divino, Plot no. GH-14A, Noida Extension, Sector 1, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.201306,have changed the name of my minor Daughter AARADHYA aged 9 years and she shall hereafter be known as Myra Singh. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, JAVED SAIFI S/O SALEEM SAIFI R/O B-2 Laxman Garden Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh-201005, declare that name of mine and my Father has been wrongly written as JAVED And SALIMUDDIN in my class-10th and class-12th educational documents, The actual name of mine and my Father are JAVED SAIFI and SALEEM SAIFI, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ANJALI SENGAR wife of No.-22051416F, Rank-SEP, Name-VIPIN SENGAR residing at VILL-DURG KA PURA, PO & TEHSIL-PORSA, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476115, have changed my name from ANJALI SENGAR to ANJALI TOMAR, for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHIVANGI RATTAN / SHIVANGI W/O GYAN RATTAN residing at FLAT NO-MG-14A GF, ELDECO MYSTIC GREENS, GH-3, SEC OMICRON-1, GREATER NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH- 201310 have changed my name to SHIVANGI CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, TELANG PRAYAG BAI Mother of No 15426803K, Rank-HAV, Name-TELANG SHIVANAND SAMBHAJIRAO Residing at VILL-GAUL, PO-GAUL, TEHSIL-KANDHAR, DIST-NANDED, MAHARASHTRA-431714 have changed my name from TELANG PRAYAG BAI to PARYGABAI SAMBHAJI TELANG for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SAMBHAJIRAO father No 15426803K, Rank-HAV, Name-TELANG SHIVANAND SAMBHAJIRAO Residing at VILL-GAUL, PO-GAUL, TEHSIL-KANDHAR, DIST-NANDED, MAHARASHTRA-431714 have changed my name SAMBHAJIRAO to SAMBHAJI VITTHAL TELANG for all future purposes vide Affidavit Dated 01/07/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change

I SHARADA SHRAVAN CHAUDHARI legally mother of Army no - 2806251N Rank - NK, Name - CHOUDHARI KIRAN SHRAVAN, Presently Residing At - DORHALE Post- KORHALE, Teh - RAHATA, Dist - AHILYANAGAR, Pin - 423 107, State- MAHARASHTRA, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1959 instead of my correct date of birth as 09/09/1960 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change

I SHRAVAN MADHAV CHOUDHARI legally father of Army no - 2806251N Rank - NK, Name - CHOUDHARI KIRAN SHRAVAN, Presently Residing At - DORHALE Post- KORHALE, Teh - RAHATA, Dist - AHILYANAGAR, Pin - 423 107, State- MAHARASHTRA, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1954 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I HIMANSHU S/O GAJRAJ YADAV R/O C-125 YADAV NAGAR SAMAY PUR DELHI-110042 , have changed my name to HIMANSHU YADAV for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto Known as VIGHA DEVI W/o SHIVPAL SINGH, Residing at F - 276, Shaheed Nagar, Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201006 have changed my name and shall hereafter be known as VIDYA DEVI

NAME CHANGE

I, SOMNATH S/O RATTAN BAHADUR R/O E276,2ND FLOOR, STREET NUMBER 8, EST VINOD NAGAR KALYANWAS, EAST DELHI-110091, Have Changed My Name To SOM NATH For All Future Purposes

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ASLAM S/O MOHAMMAD YUNUS R/o 973 GALI MOLSIRI WALI MOHALLA KISHAN GANJ MASJID IMLI WALI TELIWARA BADA HINDU RAO DELHI 110006, have changed my name to MOHD ASLAM S/O MOHAMMAD YUNUS for all future Purposes.

NAME CHANGE

I, ZABA W/O SALEEM D/O MOHAMMAD ASHAQEEN R/o T 452 AHATA KIDARA QURESH NAGAR DELHI 110006, have changed my name to ZEBA W/O SALEEM D/O MOHAMMAD ASHAQEEN for all future Purposes.

NAME CHANGE

I, Avantika D/o Lokesh Kumar R/o U-247, First Floor Front Side, Street No-1, Upadhyaya Block, Shakarpur, Delhi-110092 have changed my name to Avantika Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO-15438483M Rank-SEP Name-MOHAMMED SAHEER BM residing at BASHEER MANZIL, AMINI ISLAND, LAKSHADWEEP-682552 have changed my wife's name from SHAREEFABI to SHAREEFABI T K for all future purposes vide Affidavit dated 01/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I VISHNU NARAIN KHANNA S/O PURUSHOTTAM KHANNA R/O A1-174 JANAK PURI MAIN NAJAF GARH ROAD DELHI-110058 , have changed my name to VISHNU NARAYAN KHANNA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, RAZIYA W/O MOHD USMAN residing at HOUSE NO-4520 2ND FLOOR, GALI LAMBI, GALI SHAHTARA, AJMERI GATE, DELHI -110006 have changed my name to RAZIA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAIRA W/O MOHD IDREES residing at MOH.GADAN, AMBEHTA, AMBEHTA (NP), NAKUR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247340 have changed my name to SAYRA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD USMAN S/O MOHD IMRAN residing at HOUSE NO-4520 2ND FLOOR, GALI LAMBI, GALI SHAHTARA, AJMERI GATE, DELHI -110006 have changed my name to MOHD USMAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHD IDREESH S/O BASHEER residing at MOH.GADAN, AMBEHTA, AMBEHTA (NP), NAKUR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247340 have changed my name to MOHD IDREES for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SANJAY KUMAR S/O HARI CHAND R/O I-1366/15, SANGAM VIHAR, PUSHPA BHAWAN, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY KUMAR KANOJIYA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गुरुग्राम नगर निगम तीन माह में प्रॉपर्टी टैक्स के 168 करोड़ से हुआ मालामाल

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रॉपर्टी टैक्स पर दी जा रही एकमुश्त ब्याज माफी तथा चालू वित्त वर्ष के प्रॉपर्टी टैक्स पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए अंतिम दिन नगर निगम गुरुग्राम के सभी कार्यालयों में खूब भीड़ रही। चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में नागरिकों ने 168 करोड़ रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम के खजाने में जमा कराया, जो नागरिकों की जागरूकता और नगर निगम पर उनके विश्वास को दर्शाता है। सुबह से ही बड़ी संख्या में प्रॉपर्टी मालिक निगम कार्यालयों के नागरिक सुविधा केंद्रों पर पहुंचकर अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराते रहे। सरकार की इस जनहितकारी योजना को नागरिकों का भरपूर सहयोग मिला। नगर निगम गुरुग्राम ने अंतिम दिनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए सभी कार्यालयों में विशेष व्यवस्थाएं की थीं। महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग काउंटर बनाए गए, जबकि टैक्स शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी बिना अवकाश लगातार कार्य करते रहे। इसके साथ ही प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार, स्वामित्व संबंधी त्रुटियों तथा अन्य शिकायतों का भी मौके पर समाधान किया गया, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने कहा कि शहर के समग्र विकास में नागरिकों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा एफ.पी.ओ. मिशन-2026 का किया शुभारंभ

एजेंसी

रेवाड़ी/चंडीगढ। देशभर में किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा चलाए गए 'खेत बचाओ अभियान' का हरियाणा के रेवाड़ी में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। इस अवसर पर हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज कंबोज ने सभी अतिथियों का समारोह में पहुंचने पर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। रेवाड़ी जिला के बावल स्थित कृषि महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संयुक्त रूप से

कृषि के नवीनतम नवाचारों पर आधारित कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी तथा हरियाणा एफ.पी.ओ. मिशन-2026 का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, आधुनिक कृषि तकनीकों के विस्तार तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए जनभागीदारी आधारित प्रयासों को और अधिक गति देने का संकल्प दोहराया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है, लेकिन विकसित भारत का निर्माण उन्नत कृषि और समृद्ध किसान के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं और किसानों की समृद्धि ही भारत की समृद्धि का आधार है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कृषि को लाभकारी, आधुनिक और टिकाऊ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि वैज्ञानिक खेती, आधुनिक तकनीकों और किसानों की सक्रिय भागीदारी से भारत विश्व की अग्रणी कृषि शक्ति के रूप में और अधिक मजबूत होगा। शिवराज सिंह चौहान ने हरियाणा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा ने कृषि क्षेत्र में पूरे देश के सामने एक प्रेरणादायी मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उपलब्ध कराने वाला अग्रणी राज्य है। इसके साथ ही भावांतर भरपाई योजना, 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा', 'मेरा पानी-मेरी विरासत' जैसी योजनाओं ने किसानों की आय बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है।

मानवता की मिसालः काफिला रुकवाकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को संभाला

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए फतेहाबाद क्षेत्र में बाईपास पर अपना काफिला रोककर सड़क दुर्घटना में घायल हुए एक बाईक सवार को कार्यकर्ताओं के सहयोग से संभाला तथा प्राथमिक उपचार करवाया। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता अपने काफिले के साथ सिरसा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रही थीं। डा. अर्चना गुप्ता के साथ फतेहाबाद के बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा भी विशेष रूप से मौजूद थे। इसी दौरान बाईपास के नजदीक एक बाईक सवार असंतुलित होकर सड़क पर गिर गया। हादसे में उसे काफी चोटें लगीं। हादसे को देखकर डा. अर्चना गुप्ता ने तुरंत अपने काफिले को रुकवाया तथा कार्यकर्ताओं के सहयोग से घायल व्यक्ति को संभाला और उसे प्राथमिक उपचार दिया। काफिले के प्रोटोकॉल के बीच डा. अर्चना गुप्ता का मानवता से भरा यह कार्य देखकर स्थानीय लोग भी काफी प्रोत्साहित हुए। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता की घायल युवक के प्रति संवेदना को देखकर कार्यकर्ताओं को अपने प्रदेश अध्यक्ष पर गर्व है।

बिजली की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने बिजली निगम में किया प्रदर्शन

हांसी। गांव राजथल में पिछले काफी दिनों से बिजली की काफी कम वोल्टेज और कटो की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने बिजली निगम के कार्यालय पर पहुंचकर बिजली विभाग के अधिकारियों के समर्थन में जिंदाबाद के नारे लगाकर गांधीगिरी तरीके से प्रदर्शन किया। इस समस्या का समाधान करवाने के लिए ग्रामीण निगम के अधिकारियों के बार-बार चक्कर काटने को मजबूर हैं। बिजली निगम के एसडीओ और नारनौंद के एसडीएम विकास यादव ने जल्द ही उनकी समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया है।ग्रामीणों ने कहां की अगर 10 दिन के अंदर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन का तरीका बदलकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बिजली समस्या से परेशान गांव राजथल के ग्रामीण सरपंच प्रतिनिधि अनिल, दिलबाग, वीरेंद्र, शमशेर, जगरूप, संदीप, सुनील, पवन, निर्मला, मोनिका, खुजानी, शांति, सोनिया, अनीता, अंजू, बिमल, सोनिका, नीलम, रोशनी, पूनम, संगीता, पूजा सहित अन्य ग्रामीण ट्रैक्टर ट्रालियों में सवार होकर नारनौंद बिजली निगम के कार्यालय में पहुंचे। ग्रामीणों ने उग्र प्रदर्शन ना करके शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। बिजली निगम के एसडीओ प्रदीप हुड्डा को ग्रामीणों ने बताया कि पिछले काफी महीनों से उनके गांव में बिजली काफी कम वोल्टेज में आ रही है।

रेवाड़ी में बिजली संकट पर ग्रामीणों ने रेवाड़ी-बावल रोड किया जाम

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गांव छुरियावास और आसपास की ढाणियों में पिछले करीब 24 दिनों से नियमित बिजली आपूर्ति नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने दोपहर बाद रेवाड़ी-बावल रोड पर जाम लगा दिया। अचानक लगाए गए जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले 24 दिनों से गांव और आसपास की ढाणियों में बिजली या तो पूरी तरह बंद रहती है या फिर बहुत कम समय के लिए आपूर्ति की जाती है। भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट के कारण लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। बिजली नहीं मिलने से पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो रही है, जिससे ग्रामीणों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। सबसे अधिक दिक्कत बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और पशुपालकों को उठानी पड़ रही है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पिछले करीब एक माह से बिजली और पानी की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कई बार बिजली निगम के अधिकारियों से शिकायत करने के साथ-साथ ऑनलाइन भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। इससे मजबूर होकर उन्हें सड़क जाम करने का कदम उठाना पड़ा।

लाखों रुपये की हेरोइन व चूरापोस्त बरामद, छह नशा तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने जिले क्षेत्र से छह नशा तस्करों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये की हेरोइन व चूरापोस्त बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए कालांवाली पुलिस ने गश्त के दौरान गांव गदराना क्षेत्र से एक व्यक्ति को ढाई किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गगनदीप सिंह के रूप में हुई। आरोपी गगनदीप के आपराधिक रिकार्ड के अनुसार आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट व नशा तस्करी के संबंध में अभियोग थाना कालांवाली, थाना बड़ागुढ़ा व थाना औढ़ा में पहले से दर्ज हैं। इसके अलावा पुलिस ने गांव तख्तमल क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से साढ़े सात ग्राम हेरोइन पकड़ी है। आरोपियों की पहचान सिरसा जिले निवासी जगजीवन सिंह और मनप्रीत को के रूप में हुई है। सीआईए कालांवाली पुलिस की एक अन्य टीम ने गांव देसूमलकाना क्षेत्र से आरोपी रोहित कुमार को साढ़े सोलह ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है।

हरियाणा सीएम ऑफिस व चंडीगढ़ एयरफोर्स स्कूल समेत कई विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी

चंडीगढ़। एक बार फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यालय तथा चंडीगढ़ स्थित एयरफोर्स स्कूल समेत कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार को गर्मी की छुट्टियों के बाद पहले दिन स्कूल खुले हैं। स्कूल खुलते ही धमकी भरे ई-मेल मिलने से पुलिस प्रशासन में हडक़ंप मच गया। धमकी भरा यह मेल चंडीगढ़ के सेक्टर-37 गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल 37 बी और केंद्रीय विद्यालय सेक्टर-47 को आई है। मेल में कहा कि बम धमाके, आईडी ड्रोन। चंडीगढ़ के सारे स्कूलों में दोपहर 1.11 बजे, जबकि सीएम सैनी हरियाणा आफिस दोपहर 3.11 बजे का धमाके किए जाएंगे। चंडीगढ़ के सेक्टर-31 स्थित एयर फोर्स स्कूल को भी ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हडक़ंप मच गया। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉयड और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू कर दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्कूल प्रशासन को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल

परिसर में बम होने का दावा किया गया था। जांच के साथ ई-मेल के स्रोत और आईपी एड्रेस का पता लगाने में जुट गई है। धमकी मिलने के बाद स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर सुरक्षा बढ़ा दी गई। एहतियात के तौर पर पूरे परिसर की गहन जांच कराई जा रही है। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चंडीगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर विशेषज्ञों की मदद से ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चंडीगढ़ पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जिन स्कूलों व संस्थानों में धमकी मिली है वहां पुलिस की टीमों द्वारा जांच की जा रही है। सभी टीमें मौके पर तैनात हैं।

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को मिला छह माह का सेवा विस्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को केंद्र सरकार ने लगातार दूसरी बार छह महीने का सेवा विस्तार (एक्सटेंशन) दिया है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (डीओपीटी) द्वारा जारी आदेश के अनुसार अनुराग रस्तोगी अब 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2026 तक हरियाणा के मुख्य सचिव के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। नायब सरकार की ओर से केंद्र सरकार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के लिए छह माह के सेवा विस्तार की सिफारिश भेजी थी, जिस पर केंद्र सरकार की ओर से स्वीकृति की मुहर लगा दी है। अफसरशाही में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता का नाम मुख्य सचिव के लिए चर्चा में थी, वर्ष 1992 बैच के आईएएस अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त होंगे। फिलहाल, अनुराग रस्तोगी को सेवा विस्तार मिलने से अफसरशाही की वरिष्ठता प्रभावित हो गई है। वर्ष 1990 बैच के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं गृह सचिव सुधीर राजपाल 30 नवंबर 2026 को सेवानिवृत्त होंगे, जबकि इसी बैच की वरिष्ठ अधिकारी एवं एफसीआर डॉ.

सुमिता मिश्रा जनवरी 2027 में सेवानिवृत होंगी। लिहाजा, अनुराग रस्तोगी को सेवा विस्तार मिलने के बाद दोनों अफसर मुख्य सचिव की दौड़ से बाहर हो गए हैं यूं भी कह सकते हैं कि दोनों वरिष्ठ अधिकारी मुख्य सचिव पद तक पहुंचे बिना ही सेवानिवृत्त होंगे। बता दें कि मुख्य सचिव रस्तोगी की आईएएस से सेवानिवृत्ति 30 जून 2025 को निर्धारित थी, जिसे केंद्र सरकार द्वारा उनकी सेवानिवृत्ति की तारिख से करीब 10 दिन पहले एक वर्ष का सेवा में एक्सटेंशन देकर उनकी सेवानिवृत्ति 30 जून 2026 तक बढ़ाया, अब इसे बढ़ाकर 31 दिसंबर किया गया है। वर्ष 2026 में सात अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे, इनमें सुधीर राजपाल (30 नवंबर), राजा शेखर वुंडरू (31 जुलाई), अरुण कुमार गुप्ता (30 सितंबर), डी. सुरेश (31 अगस्त), संजय जून (31 अक्तूबर), गीता भारती (30 नवंबर), प्रदीप कुमार (30 जून) शामिल हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भरोसेमंद अधिकारियों में गिना जाता है। लिहाजा, सरकार का तर्क है कि राज्य में मौजूदा समय में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम चल रहे हैं, जिनमें पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था, ई-गवर्नेंस परियोजनाएं, निवेश संवर्धन कार्यक्रम, वित्तीय प्रबंधन सुधार, परिवार पहचान पत्र आधारित योजनाएं तथा केंद्र-राज्य समन्वय से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।

हरियाणा में पहली बार होगा राज्य स्तरीय फिल्म फेस्टिवल

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश में पहली बार हरियाणा फिल्म फेस्टिवल-2026 का आयोजन 12 से 15 नवंबर, 2026 तक करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण में हरियाणा फिल्म फेस्टिवल-2026 के आयोजन की घोषणा की थी। इसी संदर्भ में फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के.मकरंद पांडुरंग ने उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा), रोहतक के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। बैठक मे आयोजन के सफल संचालन के लिए एक कोर

कमेटी का गठन भी किया गया, जो आयोजन की रूपरेखा तैयार करने, कार्यक्रमों के चयन, विभिन्न संस्थाओं एवं एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने, प्रचार-प्रसार तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेगी।

हरियाणा फिल्म फेस्टिवल को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन के रूप में मनाया जाएगा।

इसके माध्यम से हरियाणवी सिनेमा, लोक संस्कृति, कला, साहित्य एवं प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान मिलेगी। इसमें देश-विदेश के फिल्मकारों, कलाकारों, निर्देशकों, अभिनेताओं, तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों तथा सांस्कृतिक संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह फेस्टिवल कलाकारों, फिल्मकारों और युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा तथा हरियाणा को फिल्म और संस्कृति के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में सुपवा के कुलगुरू डॉ. अमित आर्य, फिल्मकार अतुल गंगवार, अतिरिक्त निदेशक, विवेक कालिया, संयुक्त निदेशक, नीरज, परियोजना निदेशक, डॉ. पवन आर्य, सुपवा की रजिस्ट्रार, डॉ. गुंजन मलिक, फैकल्टी, सुश्री दीप्ति खुराना,केशव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मियों का वेतन बढ़ाया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के वेतन में 2100 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरकार लगातार सफाई कर्मचारियों के लिए जनहित में निर्णय ले रही है। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान उन्हें वेतन बढ़ोतरी का आश्वासन दिया था जिसे सरकार ने वेतन बढाकर अपना वायदा पूरा कर दिया है। कृष्ण बेदी ने कहा कि हरियाणा में अब ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का वेतन 16000 हजार से बढक़र 18100 रुपए कर दिया गया है जो तुरंत प्रभाव से लागू होगा। उन्होंने कहा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन एक जुलाई 2026 से मिलेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का वेतन बढ़ाए जाने पर आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से सफाई कर्मचारियों एवं एसोसिएशनों में खुशी का आलम है।

गुरुग्राम नगर निगम तीन माह में प्रॉपर्टी टैक्स के 168 करोड़ से हुआ मालामाल

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रॉपर्टी टैक्स पर दी जा रही एकमुश्त ब्याज माफी तथा चालू वित्त वर्ष के प्रॉपर्टी टैक्स पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए अंतिम दिन नगर निगम गुरुग्राम के सभी कार्यालयों में खूब भीड़ रही। चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में नागरिकों ने 168 करोड़ रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम के खजाने में जमा कराया, जो नागरिकों की जागरूकता और नगर निगम पर उनके विश्वास को दर्शाता है। सुबह से ही बड़ी संख्या में प्रॉपर्टी मालिक निगम कार्यालयों के नागरिक सुविधा केंद्रों पर पहुंचकर अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराते रहे। सरकार की इस जनहितकारी योजना को नागरिकों का भरपूर सहयोग मिला। नगर निगम गुरुग्राम ने अंतिम दिनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए सभी कार्यालयों में विशेष व्यवस्थाएं की थीं। महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग काउंटर बनाए गए, जबकि टैक्स शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी बिना अवकाश लगातार कार्य करते रहे। इसके साथ ही प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार, स्वामित्व संबंधी त्रुटियों तथा अन्य शिकायतों का भी

मौके पर समाधान किया गया, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने कहा कि शहर के समग्र विकास में नागरिकों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय पर प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान न केवल प्रत्येक नागरिक का दायित्व है, बल्कि इससे शहर के विकास कार्यों को भी नई गति मिलती है। उन्होंने सभी नागरिकों के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि नगर निगम भविष्य में भी जनहित में इसी प्रकार की नागरिक-केंद्रित पहल करता रहेगा। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा दी गई ब्याज माफी और टैक्स छूट योजना का नागरिकों ने उत्साहपूर्वक लाभ उठाया है।

अंबाला में जिंदगी की जंग हारा निरवैर, 21 घंटे बाद निकाला शव

एजेंसी

चंडीगढ़। अंबाला के गांव धन्यौरा में बोरवेल में गिरा चार वर्षीय निरवैर उर्फ निर्भय सिंह जिंदगी की जंग हार गया। करीब 21 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए जाने के बाद बुधवार सुबह करीब चार बजे निरवैर का शव बाहर निकाला गया। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मासूम के शव का अंबाला शहर के अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जाएगा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारण और समय का पता चल सकेगा। मंगलवार सुबह निरवैर अपने पिता मनजीत सिंह के साथ खेत जाने की जिद करने लगा। पिता-पुत्र दादा करनैल सिंह के लिए खाना लेकर खेत पहुंचे। करीब आधे घंटे बाद खेलते समय निरवैर

का पैर फिसल गया और वह खेत में बने खुले 220 फीट गहरे बोरवेल में जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और सेना, एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कई घंटों तक चले अभियान के बाद बुधवार तडक़े बच्चे को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सिविल अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. ऋषिपाल सिंह ने बताया कि बच्चे को बाहर निकालते ही मौके पर उसकी प्राथमिक जांच की गई, लेकिन कोई हलचल नहीं मिली। इसके बाद उसे अस्पताल लाया गया, जहां ईसीजी समेत अन्य आवश्यक जांच की गईं। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

सीबीआई ने घोटाले में पकड़े दो पूर्व बैंक अधिकारी, तीन दिन की रिमांड पर भेजे गए

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के 504 करोड़ रुपये के बहुचर्चित बैंक घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों को देर शाम पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष कोर्ट में पेश किया गया। जहां से अदालत ने उन्हें तीन दिन के रिमांड पर सीबीआई को सौंप दिया गया। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के तत्कालीन एरिया हेड शमीम डार और मोहाली स्थित एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक चरणजीत सिंह रंधावा पर सरकारी विभागों के धन को फर्जी बैंकिंग लेनदेन के जरिये डायवर्ट करने में भूमिका निभाने के आरोप हैं। सीबीआई इस मामले में पहले ही हरियाणा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल, आईएएस आरके सिंह, हरियाणा कैडर के आईएफएस अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव सहित कई सरकारी अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर चुकी है। ताजा कार्रवाई से साफ है कि एजेंसी अब उन बैंक अधिकारियों की भूमिका पर फोकस कर रही है, जिनके माध्यम से कथित तौर पर सरकारी धन को बैंकिंग प्रणाली से शेल कंपनियों तक पहुंचाई गई। सीबीआई का आरोप है कि गिरफ्तार दोनों बैंक अधिकारियों ने संदिग्ध खाते खुलवाने और वित्तीय लेनदेन को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाई। एजेंसी

बाहर निकालकर दूसरे खातों और संस्थाओं तक पहुंचाया गया। जांच के अनुसार चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा से हरियाणा सरकार के आठ विभागों की अतिरिक्त धनराशि को फर्जी अथवा अस्तित्वहीन फिक्स्ड डिपॉजिट और डेबिट नोट के जरिये निवेशित दिखाया गया। बाद में यही रकम विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से अब तक 17 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इनमें छह बैंक अधिकारी, हरियाणा सरकार के तीन लोकसेवक, दो कंपनियां और छह निजी व्यक्ति शामिल हैं। हालांकि सीबीआई का मानना है कि धन के प्रवाह, लाभार्थियों और साजिश की पूरी श्रृंखला की जांच अभी बाकी है। इसी वजह से जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

भाजपा सरकार ने हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर संकट में धकेला : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों ने सरकारी शिक्षा को गंभीर संकट में धकेल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार सुनियोजित तरीके से सरकारी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर उसे निजी हाथों में सौंपने का रास्ता तैयार कर रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में सामने आए आधिकारिक आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 5,573 वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षक पद (26.2 प्रतिशत), 8,449 प्राथमिक शिक्षक पद (14 प्रतिशत) तथा 2,413 माध्यमिक शिक्षक पद (12.2 प्रतिशत) वर्षों से रिक्त पड़े हैं। शिक्षक भर्ती में लगातार देरी का खामियाजा लाखों विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि प्रदेश में 968 सरकारी प्राथमिक विद्यालय केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं, जबकि 22.1 प्रतिशत विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात निर्धारित मानकों से भी खराब हो चुका है। यह स्थिति शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) की भावना के भी विपरीत है। कुमारी सैलजा ने कहा कि शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में भी सरकार पूरी तरह विफल रही है। आज भी 63 बस्तियां प्राथमिक विद्यालय, 112 बस्तियां उच्च प्राथमिक विद्यालय, 132 गांव माध्यमिक विद्यालय तथा 215 गांव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से वंचित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के साथ यह खुला अन्याय है। सांसद ने कहा कि सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के दावों के बावजूद 691.88 करोड़ रुपये के विकास कार्य लंबित पड़े हैं। जब विद्यालयों में शिक्षक नहीं होंगे, भवन अधूरे होंगे और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी तो प्रदेश के बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित होगा? कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का पूरा ध्यान केवल प्रचार, इवेंट प्रबंधन और विज्ञापन तक सीमित रह गया है, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मूलभूत विषय लगातार उपेक्षित किए जा रहे हैं।

अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई

नई दिल्ली।

अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार लगातार घट रहा है, जिसका असर वैश्विक तेल बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई। इससे पहले वाले सप्ताह में भंडार 7.65 लाख बैरल घटा था। इस खबर के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी देखने को मिली।

ब्रेंट क्रूड 73.19 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के मुताबिक पिछले 11 हफ्तों में अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में कुल 5.94 करोड़ बैरल की कमी आ चुकी है। हालांकि, इस साल अब तक कुल कच्चे तेल का भंडार सिर्फ 80 लाख बैरल ही घटा है, क्योंकि सरकार लगातार अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से तेल जारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में भी 55 लाख बैरल की कमी आई। इसके बाद यह घटकर 32.57 करोड़ बैरल रह गया। यह रिजर्व अपनी अधिकतम क्षमता से करीब 39.9 करोड़ बैरल कम है। इस बीच अमेरिका का कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 1.3819 करोड़ बैरल प्रति दिन पहुंच गया। वहीं ओक्लाहोमा के कुशिंग हब में कच्चे तेल का भंडार 5.03 लाख बैरल बढ़ा है।

1 जुलाई से वीबी-जी राम जी कानून लागू, अब 125 दिन मिलेगा रोजगार

-औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी, 300 से कम नहीं मिलेगी

नई दिल्ली।

1 जुलाई से पूरे देश में वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू हो गया है, जिसके तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। सरकार ने रोजगार के दिनों में 25 दिन की बढ़ोतरी के साथ मजदूरी दर भी बढ़ाई है। नए नियम के मुताबिक अब किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपए से कम नहीं होगी और औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है।ये कदम विकसित भारत के तहत केंद्र सरकार के द्वारा उठाया गया है। इससे लाखों ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ने के साथ-साथ असमानता भी कम होगी। सरकार द्वारा दी कई जानकारी के मुताबिक पूरे देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये मजदूरी बढ़ोतरी की गई है। पहले कई जगहों पर 241 रुपए ही मजदूरी मिलती थी, लेकिन अब हर जगह 300 रुपए तक की मजदूरी दी जाएगी। ये इंटरिम बेस रेट लागू किया गया है। साथ ही नेशनल ऐवरेज मजदूरी पहले 298.8 रुपए प्रतिदिन थी जोकि बढ़कर अब 327.4 रुपए हो गई है यानी ऐवरेज देखें तो 28.6 रुपए की बढ़त की गई है। यह बड़ा बदलाव मनरेगा से वीबी-जी राम जी कानून में आने के बाद हुआ है। इससे ग्रामीण मजदूरों की इनकम को सुरक्षा, मजबूती और पुराने नियम जिनसे मजदूरों को फायदा नहीं मिलता था, वह परेशानी भी दूर होगी।

सोना-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1301 रुपए टूटकर 1,41,230 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गयी है। ये 4166 रुपए टूटकर 2,24,397 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई है। इस गिरावट का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी देखा गया, जहाँ शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी दोनों की ही कीमतें घटी हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में गत दिवस भी सोने की कीमतों में गिरावट आई थी। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 800 रुपए घटकर 1,45,800 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो पिछले सत्र में 1,46,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह दिखाता है कि भौतिक बाजार में सोने की खरीदारी में अभी भी कमजोरी बनी हुई है।वहीं इसके विपरीत, सर्राफा बाजार में चांदी में तेजी आई जिससे निवेशक हैरान को गये। लगातार चार सत्रों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए, चांदी की कीमत में 6,000 रुपए की तेजी रही और यह 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई। इससे पिछले सत्र में चांदी का भाव 2,24,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने पर दबाव बना रहा, लेकिन हालिया गिरावट के बाद चांदी में निचले स्तर पर खरीदारी देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 443 निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर में मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443.97 अंक बढ़कर 76,922.64 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.10 अंक बढ़कर 24,005.85 पर बंद हुआ। आज रियल्टी, एफएमसीजी और मीडिया शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी रही जिससे भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान करीब 158 शेयरों में तेजी रही जबकि 1935 शेयरों में गिरावट आई। वहीं 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, एचयूएल और एशियन पेंट्स शामिल थे जबकि सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील का स्टॉक शामिल है।बाजार में अगर सेक्टर के

हिसाब से देखें तो रियल्टी इंडेक्स में 3 बढ़त देखने को मिली। वहीं एफएमसीजी और मीडिया इंडेक्स में 2-2 फीसदी की बढ़त रही। ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 1-1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी की गिरावट आई, मेटल इंडेक्स 1फीसदी और फार्मा इंडेक्स में 0.5फीसदी की गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ।

चांदी 43प्रतिशत और सोना 20फीसद तक लुढ़का

शेयर बाजार में भी भारी अस्थिरता, निवेशकों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

साल 2026 के पहले छह महीनों में सोना, चांदी और शेयर बाजार तीनों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 20 प्रतिशत तक सस्ता हो गया है, जबकि चांदी में लगभग 43 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। वहीं, शेयर बाजार भी दबाव में रहा और सेंसेक्स करीब 11 प्रतिशत तक फिसल गया। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। इन परिस्थितियों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया, जिससे कीमती धातुओं और शेयर बाजार दोनों में बिकवाली बढ़ी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक संकेतकों, केंद्रीय बैंकों की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर निवेशकों की नजर रहेगी। हालात सामान्य होने तक बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

1 जुलाई से कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो कार खरीदना हुआ महंगा

-घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं, बिना टिकट यात्रा पर डबल जुर्माना

नई दिल्ली।

1 जुलाई यानी बुधवार से देश में आम आदमी की जेब, रसोई और सफर से जुड़े 6 बड़े नियम बदल गए हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो पासपोर्ट बनवाना महंगा हो गया है। ट्रेन में बिना टिकट सफर करने पर दोगुना जुर्माना लगेगा। तेल कंपनियों ने 1 जुलाई से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 तक की बड़ी कटौती कर दी है। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।दिल्ली में अब नया दाम 2930.00 हो गया है जो पहले 3113.50 था यानी 183.50 रुपए की कमी आई है। कोलकाता में नई कीमत 3081.50 है जो पहले 3255.50 थी यानी 174 रुपए की कमी, मुंबई में पुराना दाम 3067.50 था जो अब घटकर 2885.50 रुपए रह गया है यानी 182.00 की कमी और चेन्नई में पहले इसकी कीमत 3283.00 थी जो अब कम होकर 3106 रुपए हो गई है यानी 177 की कमी। इसके घटने से रेस्टोरेंट, होटल और शादियों में कैटरिंग का खर्च कम होगा, जिससे आम जनता के लिए भी बाहर खाना और नाश्ता सस्ता हो सकता है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च घटेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली सस्ते कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी सस्ती हो सकती है।पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को देखते हुए 11 जून को एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की जो सीमा लगाई थी, उसे अब उसे खत्म कर दिया गया है। वहीं अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 67 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 95.23 पर बंद हुआ। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बढ़ती अनिश्चितता और घरेलू मोर्चे पर चुनौतियों का स्पष्ट संकेत दे रही है, जिसका सीधा असर देश की आयात लागत और महंगाई दर पर पड़ने की आशंका है।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने रुपये की इस तेज गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारकों का हवाला दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना एक बड़ा कारण रहा है, क्योंकि वैश्विक निवेशक अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही, भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी रुपये पर भारी दबाव डाला है। विदेशी संस्थागत निवेशक लाभ बुकिंग और वैश्विक जोखिमों के चलते भारतीय इक्विटी और ऋण बाजारों से अपना निवेश निकाल रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा है।

इसके अलावा, एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी भी रुपये की गिरावट में सहायक रही, क्योंकि लगभग सभी प्रमुख एशियाई मुद्राएं डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई हैं। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स का 95 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करना भी बाजार की धारणा को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारक साबित हुआ है, जिसने निवेशकों के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.60 के निचले स्तर से 95.29 के उच्च स्तर तक के दायरे में रहा, जो दिन भर की तीव्र अस्थिरता को दर्शाता है। अंततः, यह पिछले बंद भाव की तुलना में 67 पैसे कम होकर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंचा, मजबूती की वजह बॉन्ड यील्ड में तेजी

नई दिल्ली।

अमेरिका से आने वाले अहम रोजगार के आंकड़ों से पहले अमेरिकी डॉलर में फिर मजबूती देखने को मिली है। बुधवार को डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंच गया। इससे पहले हफ्ते की शुरुआत में इसमें कुछ कमजोरी देखने को मिली थी। डॉलर को मजबूती मिलने की बड़ी वजह अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी है। मंगलवार को 10 साल की अमेरिकी बॉन्ड यील्ड करीब 10 बेसिस प्वाइंट बढ़ी, जिससे डॉलर को सपोर्ट मिला।जारी आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में अमेरिका में खाली नौकरियां पिछले दो साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। इससे संकेत मिलता है कि भले ही नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हुई हो, लेकिन श्रम बाजार अभी भी मजबूत है। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के मासिक रोजगार आंकड़ों पर है। इन आंकड़ों से यह संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व आगे ब्याज दरों को लेकर क्या कदम उठा सकता है। फिलहाल बाजार को उम्मीद है कि फेड इस साल कम से कम एक बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है। निवेशकों के मुताबिक इसके लिए सितंबर सबसे पहला संभावित समय हो सकता है। इसके अलावा निवेशक कतर में चल रही अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पर भी नजर रख रहा हैं। इस बातचीत का असर वैश्विक बाजारों और डॉलर की चाल पर पड़ सकता है।

एएमएफआई की नई कंपनियों की सूची जल्द हो सकती है जारी

इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है

नई दिल्ली।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए अहम मानी जाने वाली एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की नई लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों की सूची जल्द जारी हो सकती है। 30 जून को श्रेणी निर्धारण की कट-ऑफ तिथि पूरी होने के बाद अब बाजार की निगाहें नई सूची हैं। इस सूची के आधार पर म्यूचुअल फंड हाउस अपनी निवेश रणनीति तैयार करते हैं और कई फंड मैनेजर पोर्टफोलियो में जरुरी बदलाव करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि नई कैटेगरी एक अगस्त 2026 से प्रभावी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी कंपनी का लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप श्रेणी में शामिल होना या उससे बाहर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि उसमें तुरंत निवेश बढ़ जाएगा या बिकवाली शुरू हो जाएगी। फिर भी फंड मैनेजर निवेश संबंधी फैसलों में इस सूची को अ हम आधार मानते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक बीएसई, वोडाफोन आइडिया, हिताची एनर्जी इंडिया, जिंदल स्टील, इंडियन बैंक, इंडस टावर्स, बिलियनब्रेन्स गैरेज वेंचर्स, बीएचईएल और वेदांता एल्युमिनियम के लार्जकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है। दूसरी ओर लोढ़ा डेवलपर्स, इंडियन होटल्स, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, मैक्स हेल्थकेयर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, हीरो मोटोकॉर्प, सीमेंस एनर्जी इंडिया और बॉश के लार्जकैप से मिडकैप श्रेणी में आने का अनुमान लगाया है। मिडकैप श्रेणी में हिंदुस्तान कॉपर, एनएलसी इंडिया, एआईए इंजीनियरिंग, अजंता फार्मा, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसीजन फोर्जिंग्स, नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल और डेल्हीवरी को जगह मिल सकती है।

शेयर बाजार इस माह करेगा बेहतर प्रदर्शन! निजी बैंकिंग व ज्वेलरी सेक्टर में ज्यादा संभावनाएं

ब्रोकरेज ने जुलाई सीरीज के लिए 10 शेयरों में खरीदारी की दी सलाह

नई दिल्ली।

जून महीने में उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरने के बाद भारतीय शेयर बाजार जुलाई सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। एक ताजा रिपोर्ट में जुलाई के लिए बाजार पर सकारात्मक रुख जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस सालों के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई सीरीज में निफ्टी ने 80 फीसदी मामलों में बढ़त दर्ज की है और औसतन 3.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि 24,700 का स्तर बाजार के लिए अहम प्रतिरोध साबित हो सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में सबसे ज्यादा संभावनाएं निजी बैंकिंग और ज्वेलरी सेक्टर में दिखाई दे रही हैं। ब्रोकरेज का मानना है कि निजी बैंकों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही टाइटन और कल्याण ज्वेलर्स जैसी आभूषण कंपनियों पर भी निवेशकों को नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। इन कंपनियों के आगामी कारोबारी अपडेट शेयरों में अच्छी हलचल पैदा कर सकते हैं। जून सीरीज के प्रदर्शन पर नजर डालें तो निफ्टी करीब 0.2 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। मिडकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की कमजोरी रही, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक ने 3.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। सेक्टरवार प्रदर्शन में मीडिया, रियल्टी, निजी बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, फार्मा और वित्तीय सेवा कंपनियों ने बेहतर रिटर्न दिया। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, एफएमसीजी और ऊर्जा क्षेत्र के शेयर दबाव में रहे।ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक जून सीरीज में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 3.3 अरब डॉलर के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 8.3 अरब डॉलर का निवेश किया गया।

मार्च 2026 में बैंकों का एनपीए घटकर 0.4 फीसद रहा, कृषि क्षेत्र में फंसे कर्ज का दबाव

46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां मार्च 2026 के अंत तक घटकर क्रमशः 1.8 फीसदी और 0.4 फीसदी रह गईं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार सभी बैंक समूहों में देखने को मिला। सभी प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में ऋण की गुणवत्ता बेहतर हुई है और कृषि क्षेत्र में सकल गैर निष्पादित परिसंपत्तियां अनुपात सबसे ज्यादा 5.1 फीसदी रहा। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जीएनपीए में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 37.2 फीसदी रही जो सबसे ज्यादा है।

जांच के मुताबिक सामान्य स्थिति में 46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2026 के 1.8 फीसदी से बढ़कर मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी होने की संभावना है। वहीं दो तरह के प्रतिकूल हालात में यह बढ़कर क्रमशः 3.8 फीसदी और 4.1 फीसदी तक पहुंच सकता है। पहले प्रतिकूल हालात में माना गया कि भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ेगा, ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी और विनिमय दर पर दबाव रहेगा। इससे 2026-27 में घरेलू महंगाई बढ़ेगी और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी। हालांकि, 2027-28 में हालात धीरे-धीरे सुधरने की संभावना है। दूसरे प्रतिकूल हालात में यह अनुमान लगाया गया है कि भू-राजनीतिक संघर्ष लंबे समय तक जारी रहेंगे और 2027-28 तक और ज्यादा क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे दोनों वर्षों में महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक चुने गए 46 बैंकों का कुल सामान्य इक्विटी टियर-1 पूंजी अनुपात मार्च 2026 के 15.2 फीसदी से घटकर मार्च 2028 तक सामान्य स्थिति में 13.9 फीसदी रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2026 के अंत तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआर) 17.7 फीसदी और कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र, दोनों के बैंकों ने मार्च 2026 में पूंजी पर्याप्तता अनुपात में बढ़ोतरी दर्ज की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि जोखिम-भारित परिसंपत्तियों की तुलना में पूंजी में ज्यादा तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 1.62 लाख करोड़ रुपए हुआ

पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा

नई दिल्ली।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़कर करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरण के बावजूद राजस्व संग्रह पर बढ़ते दबाव की वजह से सरकार का घाटा बढ़ा है। सीजीए द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए के घाटे की वजह से यह राजकोषीय घाटे के 19.96 लाख करोड़ रुपए बजट अनुमान का करीब 9.6 फीसदी हिस्सा है। अप्रैल-मई 2025 में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का केवल 0.8 फीसदी था।

सरकार की राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-मई में करीब 6.99 लाख करोड़ रहीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के करीब 7.08 लाख करोड़ रुपए से कम है। कर राजस्व और गैर कर राजस्व दोनों में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कुल प्राप्तियां अप्रैल-मई में 2 फीसदी घटकर करीब 7.19 लाख करोड़ रुपए रहीं, जो बजट अनुमान का करीब 20 फीसदी है। कर राजस्व में अप्रैल-मई में सरकार का उत्पाद शुल्क संग्रह करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए रहा, जो करीब 20 फीसदी कम है। यह मार्च के अंत में पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में की गई कटौती की वजह से हुआ है। सरकार ने दोनों ईंधनों पर प्रति लीटर करीब 10 रुपए उत्पाद शुल्क कम किया था।

राजस्व में कमी के बावजूद सरकार ने खासकर पूंजी सृजन पर खर्च की गति बनाए रखा। अप्रैल-मई में सरकार के पूंजीगत व्यय में 13 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई और यह करीब 2.51 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार, सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने करीब 12.22 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय लक्ष्य का करीब 21 फीसदी पहले दो महीनों में ही पूरा कर लिया है। रिजर्व बैंक से करीब 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरण किया गया, जिसके कारण इस महीने गैर-कर राजस्व करीब 13 फीसदी बढ़कर करीब 3.27 लाख करोड़ रुपए हो गया। केंद्रीय बैंक से अप्रत्याशित लाभांश के कारण सरकार ने लगातार तीसरे वर्ष मई में राजकोषीय अधिशेष दर्ज किया।इक्रा लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेज गिरावट से वित्त वर्ष 2027 में सरकार की राजकोषीय स्थिति सुधरी है।

जून में जीएसटी संग्रह ने छुआ नया रिकॉर्ड, 1.95 लाख करोड़ के पार

महाराष्ट्र फिर रहा शीर्ष पर, तमिलनाडु में गिरावट

नई दिल्ली।

जून 2026 में देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.95 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छू गया है। बुधवार 1 जुलाई को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा बीते साल इसी महीने की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। पिछली बार जून 2025 में यह संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये था, जिससे मौजूदा वृद्धि वित्तीय स्थिरता में सकारात्मक रुझान का संकेत देती है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू लेनदेन से प्राप्त सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से राजस्व में 34.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई, जो 60,038 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सिर्फ सकल राजस्व ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद केंद्र सरकार की शुद्ध कमाई भी शानदार रही है। शुद्ध आधार पर, भारत सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो बीते साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने कुल 32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है।

वहीं जीएसटी टैक्स के अलग-अलग हिस्सों में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 8 फीसदी बढ़कर 37,376 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 45,116 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।वहीं राज्यों के जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र ने फिर अपना दबदबा कायम रखा, जिसका संग्रह 9 प्रतिशत बढ़कर 30,714 करोड़ रुपये हो गया। वृद्धि दर के मामले में उत्तर प्रदेश 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा और कुल संग्रह 9,165 करोड़ रुपये दर्ज किया। गुजरात (12 प्रतिशत बढ़कर 11,743 करोड़), कर्नाटक (10 प्रतिशत बढ़कर 12,937 करोड़) और हरियाणा (9 प्रतिशत बढ़कर 10,065 करोड़) जैसे प्रमुख राज्यों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी। बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की ‘गैर-कानूनी’ हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों..? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ‘वादा, वफा और विरासत’ के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-श सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, यौन हमला मामले में नहीं मिली राहत, 43 करोड़ का जुर्माना बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 29 जून को यौन हमला मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत बड़ा झटका दिया है। जूरी के पुराने फैसले को पलटने की ट्रंप की अपील को शीर्ष अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप को इस कानूनी मामले में राहत मिलने की सभी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। कोर्ट ने बिना कोई विशेष कारण बताए इस मामले में जूरी के फैसले को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

अदालत ने माना है कि ट्रंप ने पूर्व लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन हमला और उनकी भारी मानहानि की थी। इस सख्त फैसले के तहत उन्हें 50 लाख डॉलर यानी करीब 43 करोड़ रुपये का भारी-भरकम हर्जाना देना होगा। 9 मई 2023 को मैनहैटन की एक फेडरल अदालत ने 1996 में हुई इस घटना के लिए उन्हें दोषी ठहराया था। ट्रंप ने अदालत के इस फैसले पर अपनी भारी नाराजगी जताते हुए इसे पूरी तरह से एक फर्जी मामला बताया है।

कैरोल का यौन उत्पीड़न दावा : अब 82 साल की हो चुकीं पूर्व कॉलम लेखिका ई. जीन कैरोल ने 2019 में छपी अपनी किताब में यह बड़ा दावा किया था। उन्होंने बताया था कि 23 साल पहले न्यूयॉर्क के एक डिपार्टमेंट स्टोर के ट्रायल रूम में उनके साथ दुष्कर्म हुआ था। इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें पागल महिला कहा था और किसी भी तरह की मुलाकात से

साफ इनकार किया था। ट्रंप का कहना था कि दशकों पुरानी एक तस्वीर सबूत नहीं हो सकती जिसमें वह कैरोल और उनके पति के साथ खड़े हैं।

ट्रंप के दावे और कड़ा बचाव : डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि वह ई. जीन कैरोल नाम की इस महिला से अपनी जिंदगी में कभी नहीं मिले। उनके अनुसार दशकों पुरानी एक साधारण सी तस्वीर को आधार बनाकर उनके खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है। उन्होंने देश की कानूनी व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए इसे कानून का गलत इस्तेमाल और बेवकूफी भरा दावा बताया है। कैरोल की वकील रोबर्टा कैपलन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जूरी के सर्वसम्मत फैसले की ऐतिहासिक जीत है।

न्याय विभाग की नई आपराधिक जांच : इसी साल मई के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने ई. जीन कैरोल के खिलाफ एक आपराधिक जांच शुरू की है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार जांच का मकसद यह पता लगाना है कि क्या कैरोल ने गवाही के दौरान शपथ लेकर झूठ बोला था। कैरोल ने अदालत में कहा था कि उन्हें इस मामले में किसी भी बाहरी व्यक्ति से आर्थिक मदद नहीं मिली है। जबकि बाद में यह सच सामने आया था कि अरबपति रीड हॉफमैन ने उनकी कानूनी फीस का एक बड़ा हिस्सा चुकाया था।

राजनीतिक विरोधियों पर सीधा निशाना : इस ताजा जांच ने फिर इस बात को मजबूती से साबित कर दिया है कि ट्रंप एक नया राजनीतिक दांव चल रहे हैं। न्याय विभाग का इस्तेमाल कर ट्रंप अपने निजी राजनीतिक विरोधियों को लगातार निशाना बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कैरोल के पक्ष का मानना है कि यह फैसला साफ करता है कि ट्रंप ने यौन हमला किया था। इस कानूनी लड़ाई में 43 करोड़ रुपये का जुर्माना बरकरार रहना ट्रंप के लिए चुनावी साल में एक बहुत बड़ा झटका है।

ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर बोले- अंतिम चरण में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिकी के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका-इंडिया ट्रेड डील अपने 'आखिरी चरण' में है और बातचीत का सिर्फ आखिरी एक फीसदी ही बाकी है. उन्होंने भरोसा जताया कि करीब 18 महीने की बातचीत के बाद यह डील जल्द ही पक्की हो जाएगी.

यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि वह इस समझौते को पूरा करने के लिए पक्के इरादे वाले हैं, क्योंकि यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा. उन्होंने कहा, 'हम इस डील के आखिरी चरण में हैं. इस डील का ज्यादातर हिस्सा पूरा हो चुका है. दोनों तरफ कुछ चीजें बाकी हैं. यह उस डील का आखिरी 1 परसेंट हिस्सा है.'

भारत में अमेरिका के राजदूत ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को लेकर उम्मीद जताई और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पर्सनल इक्वेशन का जिक्र किया, जो रिश्तों को आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने कहा, 'लोग पूछते हैं, इसमें इतना समय क्यों लग रहा है? हम डेढ़ साल से इस पर काम कर रहे हैं.

इसे सही नजरिए से देखें तो हम 20 साल से ट्रेडिंग कर रहे हैं. इसलिए कोई बात नहीं, एक बार जब हम यूरोपियन डील को हरा देंगे, तो मुझे लगता है कि हम अच्छी हालत में होंगे, लेकिन मैं इसे खत्म करने का पक्का इरादा रखता हूँ.'

अमेरिकी दूत ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास भारत दौरे की बहुत अच्छी यादें हैं और वह अब भी इसके बारे में बात करते रहते हैं. गोर ने कहा, 'पिछली बार उनका दौरा, उनके सबसे खास दौरों में से एक था जिसके बारे में वह अब भी बात करते हैं. वह इसे बहुत खास जगह देते हैं. यह एक अविश्वसनीय बात है. इसलिए मैं राष्ट्रपति ट्रंप के भारत वापस आने का इंतजार कर रहा हूँ.' राजदूत ने यह भी बताया कि क्वाड के विदेश मंत्री अब से लगभग दो हफ़्ते में फिलीपींस में मिलने वाले हैं.

संक्षिप्त समाचार

आंग सान सू के बेटे ने मांगा मां के जिंदा होने का सबूत

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की जेल में बंद लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की के बेटे किम एरिस ने जुंटा सरकार से उनकी मां के जीवित होने का ठोस सबूत मांगा है। एरिस को संदेह है कि उनकी 80 वर्षीय मां को घर में नजरबंद रखने के बजाय अब भी जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उनके पास स्थानांतरण का कोई सबूत नहीं है। वे तख्तापलट के बाद से हिरासत में हैं। उनके बेटे ने उनकी रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव की मांग की है।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में थाई एयरलाइन का कर्मी गिरफ्तार

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने मेलबर्न हवाई अड्डे पर एक थाई एयरलाइन कर्मचारी को एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। 26 वर्षीय महिला बृहस्पतिवार को एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान ड्यूटी पर थी। सामान की जांच के दौरान बैग की अस्तर में छिपाकर रखा गया सफेद पाउडर बरामद हुआ। शुरुआती जांच में इसके हेरोइन होने की पुष्टि हुई है। जब्त ड्रग्स की बाजार कीमत करीब 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर आंकी गई है।

लापता विमान के लिए खोजी अभियान 2027 तक रहेगा जारी

कुआलालंपुर , एजेंसी। मलयेशिया ने 12 साल पहले लापता हुए मलयेशिया एयरलाइंस के विमान की तलाश के लिए समुद्री रोबोटिक्स कंपनी ओशन इन्फिनिटी के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। परिवहन मंत्री एंथनी लोक ने बताया कि यह समझौता नो-फाइंड, नो-फी के आधार पर 30 जून 2027 तक प्रभावी रहेगा। कंपनी को विमान का मलबा मिलने पर ही 7 करोड़ डॉलर का भुगतान किया जाएगा यह अभियान नवंबर से अप्रैल के बीच शुरू होने की उम्मीद है।

बाइडन का ट्रंप पर निशाना कहा- लूजर, शान-शौकत को देते हैं ज्यादा अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक लूजर (असफल) व्यक्ति कहते हुए फिर से जुबानी हमला किया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रक्रियाओं में विफलता और राष्ट्रीय कामकाज से ज्यादा अपनी निजी शान-शौकत को अहमियत देने का आरोप लगाया। हेनोवर में मैरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी के एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में बाइडन ने वाशिंगटन में जारी कई निर्माण व नवीनीकरण प्रोजेक्टों की निंदा भी की। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में संरचनात्मक बदलावों पर निशाना साधा। उन्होंने व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में बदलाव, ट्रायम्फल आर्च (विजय स्मारक) के प्रस्तावित ढांचे और लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के बड़े पैमाने पर किए गए इन बदलावों की साफतौर पर निंदा की।

सिंगापुर : वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम को निर्विरोध महासचिव चुना

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम सिंह को एक बार फिर अपना महासचिव चुन लिया है। यह फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में उन्हें साथी सांसद से जुड़े मामले में संसद में झूठ बोलने का दोषी ठहराया जा चुका है। सिंह (50) को पार्टी सदस्यों ने निर्विरोध महासचिव चुना। वर्कर्स पार्टी सिंगापुर के सबसे छोटे विपक्षी समूहों में से एक है।

255 किलो वजन वाले सात वर्षीय बच्चे की मौत, माता-पिता पर हत्या का केस

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में सात वर्षीय कैस्पर ओ'ब्रायन की मौत के मामले में उसके माता-पिता पर हत्या, यातना और बाल उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। बच्चे का वजन 116 किलोग्राम था और पोस्टमार्टम में उसकी मौत का कारण हृदय रोग बताया गया, जिसमें मोटापा भी एक प्रमुख वजह था। बच्चा बिस्तर पर पड़ा रहता था, उसके शरीर पर गंभीर घाव थे और घर की हालत भी बेहद खराब थी। दंपति न्यायिक हिरासत में है।

एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी में चीनी कारोबारी गुओ वेंगुई को 30 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने चीन के निर्वासित अरबपति कारोबारी गुओ वेंगुई को एक अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में 30 वर्ष की जेल की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, गुओ ने हजारों निवेशकों को फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाकर भारी रकम जुटाई और उससे आलीशान जीवन बिताया। अदालत ने कहा कि उसने लोकतंत्र समर्थकों का भरोसा तोड़ा और अपने कृत्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं ली। गुओ ने खुद को निर्दोष बताते हुए मामले को चीन की साजिश करार दिया।

ऑस्ट्रेलिया: बच्चों के सोशल मीडिया खाते रोकने में नाकामी पर दोगुना जुर्माना

कैनबरा, एजेंसी। दुनिया में ऑस्ट्रेलिया ऐसा पहला देश रहा जिसने दिसंबर 2025 में बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदी लगाते हुए कंपनियों पर सख्ती बरती, लेकिन कंपनियां इसे पूरी तरह नहीं मान रही हैं। इसे लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार बच्चों को खाता बनाने से रोकने में नाकाम रहने के चलते फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों पर संभावित जुर्माने को दोगुना करने की योजना बना रही है।

आलोचकों का कहना है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर लगाया गया दुनिया का पहला प्रतिबंध कारगर नहीं है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने सोमवार को कहा, इन आयु-सीमा नियमों का सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा पर्याप्त पालन नहीं किए जाने के कारण कानून को और सख्त बनाने की जरूरत पड़ी है। यह कानून 10 दिसंबर से लागू हुआ था। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) से वेल्स ने कहा, हम सभी चाहते हैं कि यह व्यवस्था बेहतर तरीके से काम करे, लेकिन बड़ी कंपनियां इसे गंभीरता से नहीं ले रही हैं। सरकार अब

यह जुर्माना बढ़ाकर 6.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर करने जा रही है।

ई-सेफ्टी आयुक्त को मिलेंगे अधिक अधिकार : ऑस्ट्रेलिया सरकार इस सप्ताह संसद में एक मसौदा विधेयक पेश करने जा रही है। सरकार के अनुसार, प्रस्तावित संशोधनों के तहत ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट को भी अधिक अधिकार दिए जाएंगे, ताकि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों से आवश्यक जानकारी और दस्तावेज मांग सकें कि वे ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन कर रही हैं या नहीं।

पुतिन के मिसाइल हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत; रूस ने औद्योगिक शहरों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जहां युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के हुए हमलों में ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने से न केवल यूक्रेन में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है, बल्कि रूस के भीतर भी ईंधन संकट पैदा हो गया है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइलों का तांडव : रूस की ओर से सोमवार को किए गए भीषण हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई शहरों को दहला दिया। ये हमले उस समय हुए जब लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर मौजूद थे, जिसके कारण हताहतों की संख्या काफी अधिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि मलबे और गंभीर रूप से घायलों की स्थिति को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सबसे दर्दनाक मंजर

यूक्रेन के निप्रो शहर में देखने को मिला, जहां एक रूसी मिसाइल सीधे एक मिनी बस से जा टकराई। इस हमले में 6 निर्दोष लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया क्षेत्र में भी रूसी हमलों ने 3 लोगों की जान ले ली, जबकि खार्कीव में एक युवती की मौत और 10 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

रूस के भीतर 'तेल का अकाल' : यूक्रेन ने भी इस युद्ध में अपनी रणनीति बदलते हुए रूस के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों पर सीधा प्रहार किया है। यूक्रेनी सेना ने रूस की कई बड़ी रिफायनरियों, तेल-गैस गोदामों और प्रमुख पाइपलाइनों को निशाना बनाया है। इन सटीक हमलों का परिणाम यह हुआ है कि रूस की राजधानी मास्को सहित देश के दक्षिणी हिस्सों और रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया में पेट्रोलियम पदार्थों का गंभीर संकट पैदा हो गया है। रूसी अधिकारियों को मजबूरन इन क्षेत्रों में ईंधन की बिक्री को सीमित करना पड़ा है। यूक्रेन के इन हमलों ने न केवल रूस की घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को हिला दिया है, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस निर्यात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पुतिन की उच्चस्तरीय बैठक यूक्रेन का आरोप है कि रूस जानबूझकर उसके प्रमुख औद्योगिक शहरों निप्रो, जपोरीजिया और खार्कीव को निशाना बना रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त किया जा सके। रूस के इन हमलों से यूक्रेन को जान और माल दोनों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरी ओर, रूस के भीतर बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक आपातकालीन उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के दौरान पुतिन ने स्वीकार किया कि तेल ठिकानों पर हमलों के बाद स्थिति काफी मुश्किल' बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस संकट पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया जाएगा और इसके लिए सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

शी जिनपिंग को बगावत का डर या करप्शन पर एक्शन? टॉप अफसरों को हटाने के मायने

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस से 6 सीनियर सैन्य अधिकारियों सहित कुल 13 सदस्यों को हटा दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। एनपीसी की स्थायी समिति की ओर से जारी नोटिफिकेशन में हटाए गए अधिकारियों के खिलाफ विस्तृत कारण नहीं बताए गए, लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। हटाए गए सैन्य अधिकारियों में जनरल शू श्वेचियांग, जनरल ली फेंगबियाओ, जनरल गुओ पुशियाओ, वांग कांगपिंग, झांग मिंगहुआ और यिन होंगशिंग शामिल हैं। इनमें से कई अधिकारी पीएलए के विभिन्न थिएटर कमांड, साइबर स्पेस फोर्स और उपकरण विकास विभाग जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जानकारों का कहना है कि इन अधिकारियों में से कुछ लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से गायब थे या उनकी गतिविधियों पर पहले से ही सवाल उठ रहे थे, जिससे उनके खिलाफ जांच की अटकलें लगाई जा रही थीं।

भ्रष्टाचार के आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया : सैन्य अधिकारियों के अलावा चीन के पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युन्ज़े और पूर्व शिनजियांग पार्टी प्रमुख मा शिंगरुई को भी एनपीसी की सदस्यता से हटा दिया गया। इन दोनों को भी हाल के महीनों में जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। चीन के सरकारी मीडिया ने केवल इतना कहा कि संबंधित निकायों के फैसले के आधार पर इन सदस्यों को हटाया गया है, लेकिन भ्रष्टाचार या अन्य आरोपों डिटेल को सार्वजनिक नहीं किया गया।

जानकारों का मानना है कि यह कार्रवाई केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना और राजनीतिक व्यवस्था में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का भी हिस्सा है। 2012 में सत्ता संभालने के बाद से जिनपिंग ने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हजारों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई है। पिछले कुछ वर्षों में चीन के रक्षा मंत्रालय, सैन्य खरीद प्रणाली, मिसाइल बल और रक्षा उद्योग से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी भी जांच के दायरे में आए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि बीजिंग सैन्य नेतृत्व में पूरी राजनीतिक निष्ठा और जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है। ताजा कार्रवाई यह दिखाती है कि चीन की सेना में जारी शुद्धिकरण अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि लगातार सीनियर अधिकारियों को हटाए जाने से एक ओर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे को ईरान ने किया खारिज, अमेरिका के साथ दोहा वार्ता अभी टली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ईरान पीस वार्ता को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाली बैठक को सिरे से नकार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि दोनों देशों के अधिकारी कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात करेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस बात को पूरी तरह से गलत बताया है। यह बयान ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है जिससे नई अनिश्चितता पैदा हो गई है।

ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। हालांकि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह कतर की यात्रा जरूर करेगा लेकिन इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान ने होर्मुज में जहाजों के गुजरने और नाजुक शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर पानी फेर दिया है। यह घटनाक्रम कूटनीतिक संबंधों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्विट्जरलैंड शांति समझौते पर संकट : कुछ ही दिन पहले दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण डील हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रही महाजंग अब खत्म होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से गहरे मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद ईरान के नए बयान ने शांति समझौते की लाइफलाइन को काफी कमजोर कर दिया है। ईरान द्वारा उठाए गए कुछ सख्त कदमों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई शहरों में जमकर बमबारी की थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया था। परस्पर विरोधी बयानों ने दोनों मुल्कों के बीच कूटनीति के भविष्य को लेकर दुनिया भर में एक नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। यह स्थिति वैश्विक शांति और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है। अमेरिका और ईरान पिछले चार महीने तक चले भयंकर संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए थे। दोनों देश एक 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन को बनाए रखने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने सैन्य संघर्ष को रोकने और व्यापार के लिए होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी। बातचीत रुकने से इन सभी अहम फैसलों के लागू होने पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने दावा किया था कि तेहरान ने खुद अमेरिका के साथ इस शांति बातचीत की गुजारिश की थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी इस अहम बैठक की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

व्हाइट हाउस ने बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस हाई लेवल मीटिंग में हिस्सा लेने वाले थे। उनके साथ जेरेड कुशनर भी शांति वार्ता के लिए कतर की राजधानी दोहा जाने वाले थे। लेकिन ईरान के अचानक आए इस बयान ने अमेरिकी प्रशासन की सभी तैयारियों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कतर यात्रा पर स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है।

जर्मनी के स्टाड शहर में अंधाधुंध गोलीबारी, 5 लोगों की मौत; 8 महीनों में चौथी बड़ी वारदात

बर्लिन, एजेंसी। यूरोपीय देश जर्मनी एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठा है। उत्तरी जर्मनी के स्टाड शहर में सोमवार को हुई मास शूटिंग की एक दिल दहला देने वाली घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है। इस हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया है।

स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी : यह दुखद वारदात स्टाड शहर के डैंकर्सश्ट्रासे इलाके में हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हमला शहर के केंद्र में स्थित एक युवा केंद्र के पास हुआ, हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसे 'मदर एंड चाइल्ड शेल्टर' भी बताया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी दी है कि इलाके में काफी देर तक गोलियों की आवाजें सुनाई देती रहीं, जिससे स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने नागरिकों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है ताकि आपातकालीन सेवाओं और जांच अभियान में कोई बाधा न आए। फिलहाल, मृतकों की पहचान को लेकर केवल इतना बताया गया है कि मारे गए सभी पांचों व्यक्ति वयस्क थे। घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति के बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

आठ महीनों में चौथी बड़ी वारदात : 50 हजार की आबादी वाला स्टाड शहर अब उस सूची में शामिल हो गया है जहां हाल के दिनों में भीषण गोलीबारी हुई है। चिंताजनक बात यह है कि पिछले आठ महीनों के भीतर जर्मनी में मास शूटिंग की यह चौथी बड़ी घटना है। यह आंकड़ा देश की आंतरिक सुरक्षा और बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हालिया घटनाओं का सिलसिला: 20 फरवरी 2026: बवेरिया के स्ट्रेलेंडॉर्फ में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

25 जनवरी 2026: बर्लिन के टियरगार्टन में एक पारिवारिक विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

25 नवंबर 2025: रुतलिंगेन में एक व्यक्ति ने अपनी बहन की हत्या करने के बाद अपने ही दो बच्चों, अपने साथी और अंत में खुद को भी गोली मार ली थी। स्टाड पुलिस का कहना है कि वर्तमान हमले के पीछे का मकसद और परिस्थितियां अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई हैं। मुख्य हमलावर और उसके साथी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कोई सोची-समझी साजिश थी या किसी व्यक्तिगत रंजिश का परिणाम। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, नई जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी।

जामुन खाने से सेहत ही नहीं, सुंदरता में भी आता है निखार

काले, मीठे, रसीले और स्वाद भरे जामुन...बारिश के मौसम में आते ही, हर मन पर राज करते हैं और इसका स्वाद चखे बिना कोई नहीं रह पाता। स्वाद में जितने लाजवाब, उतने ही बेशकीमती हैं इसके सेहत एवं सौंदर्य लाभ। जानिए जामुन के 7 बेहतरीन लाभ -

काले-काले, मीठे और रसीले जामुन किसे पसंद नहीं होते। स्वाद में यह जितने लाजवाब हैं, सेहत और सौंदर्य के लिए भी उतने ही फायदेमंद। क्या आपको पता हैं इसे बेमिसाल लाभ अगर नहीं पता तो जरूर जान लीजिए इसके बेहतरीन फायदे...

- जामुन और आम का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पीने से मधुमेह के रोगियों को लाभ होता है। यह त्वचा का रंग बनाने वाली रंजक द्रव्य मेलानिन कोशिका को सक्रिय करता है, अतः यह रक्तहीनता तथा ल्यूकोडर्मा की उत्तम औषधि है।
- गठिया के उपचार में जामुन बेहद उपयोगी है। इसकी छाल को खूब उबालकर बचे हुए घोल का लेप घुटनों पर लगाने से गठिया में आराम मिलता है। इसमें मौजूद तांबा शीघ्र अवशोषित होकर रक्त निर्माण करने में सहायक है।
- मुंह में छाले होने पर जामुन का रस लगाने, पीने एवं जामुन के पत्तों का चबाने से बहुत जल्दी लाभ होता है। जामुन के पत्तों को अच्छी तरह से चबाकर थूकते रहें। छाले गायब हो जाएंगे।
- जामुन का रस, शहद, आंवले या गुलाब के फूल का रस बराबर मात्रा में मिलाकर एक-दो माह तक प्रतिदिन सुबह के वक्त सेवन करने से रक्त की कमी एवं शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। यौन तथा स्मरण शक्ति भी बढ़ जाती है।
- जामुन के एक किलोग्राम ताजे फलों का रस निकालकर ढाई किलोग्राम चीनी मिलाकर शरबत जैसी चाशनी बना लें। इसे एक ढक्कनदार साफ बोतल में भरकर रख लें। जब कभी उल्टी-दस्त या हैजा जैसी बीमारी की शिकायत हो, तब दो चम्मच शरबत और एक चम्मच अमृतधारा मिलाकर पिलाने से तुरंत राहत मिल जाती है।
- भूख न लगने की स्थिति में कुछ दिनों तक जामुन के रस का सेवन आश्चर्यजनक रूप से फायदेमंद साबित होता है। वहीं कब्ज और पेट संबंधी रोगों में जामुन का सिरका चमत्कारिक लाभ देता है।
- विषैले जंतुओं के काटने पर जामुन की पत्तियों का रस पिलाना चाहिए। काटे गए स्थान पर इसकी ताजी पत्तियों का पुल्टिस बांधने से घाव स्वच्छ होकर ठीक होने लगता है, चूंकि, जामुन के चिकने पत्तों में नमी सोखने की अद्भुत क्षमता होती है।

विशेष: इतना ध्यान रहे कि अधिक मात्रा में जामुन खाने से शरीर में जकड़न एवं बुखार होने की संभावना भी रहती है। इसको कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए और न ही इसके खाने के बाद दूध पीना चाहिए।

एक गिलास दूध में 1 चम्मच शहद मिलाकर पीएं मिलेंगे जबरदस्त फायदे

हम सभी जानते हैं कि दूध और शहद दोनों ही हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हैं। शहद में विटामिन-ए, बी और सी पाया जाता है। इसमें ढेर सारे एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसके अलावा शहद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है। शहद में फैट नहीं होता, इसलिए यह वजन घटाने में मदद करता है। शहद कुछ सामान्य बीमारियों जैसे- सर्दी, जुकाम आदि में भी काफी फायदेमंद होता है।

दूध एक संपूर्ण आहार है। जिसमें विटामिन ए, विटामिन बी और डी की पर्याप्त मात्रा होती है। इसके अलावा ये कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड से भी भरपूर होता है। दूध के सेवन से हड्डियां और दांत स्वस्थ रहते हैं। यह भी कहा जाता है कि दूध पीने से तनाव दूर होता है और यह शरीर को हाइड्रेड रखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अलग-अलग सेवन के बजाय अगर आप दूध और शहद का सेवन एक साथ करें, तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। जी हां, गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आइए आपको बताते हैं इसके ढेर सारे लाभ।

बेहतर होता है पाचन

शहद एक प्रीबायोटिक आहार है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। शहद पाचन तंत्र में उपयोगी बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए जब आप शहद के साथ हर दिन दूध का सेवन करते हैं, तो ये आपको पाचन क्रिया में काफी मदद करता है। इसके नियमित सेवन से आपको सूजन, कब्ज और ऐंठन जैसे समस्याओं से छुटकारा मिलता है और आप स्वस्थ रहते हैं।

स्टेमिना बढ़ाते हैं दूध और शहद

ठंडे दूध में शहद मिलाकर पीने से आपका स्टेमिना (शारीरिक क्षमता) बढ़ता है। सुबह एक गिलास दूध के साथ शहद पीने से आपको कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। एक गिलास दूध और एक चम्मच शहद आपको पूरे दिन एनर्जी से भरपूर रखेंगे। शहद मेटाबॉलिक रेट और शारीरिक प्रक्रिया को बढ़ाता है, ये आपको काम करने के लिए पर्याप्त सभी ऊर्जा देने में आपकी मदद करता है।

त्वचा की देखभाल करता है

शहद और दूध के मिश्रण में कई ऐसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को चिकना और चमकदार बनाते हैं। इसमें प्रोटीन्स, अमीनो एसिड्स, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध और शहद पीने के साथ-साथ इससे नहाने से भी त्वचा स्वस्थ रहती है और निखार आता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में 150 मिलीग्राम दूध और 2 चम्मच शहद मिलाकर नहाएं। इस तरह नहाने से त्वचा का संक्रमण मुंहासे और प्रदूषण के कारण होने वाले त्वचा रोगों से छुटकारा मिलता है।

हड्डियों को रखता है स्वस्थ

उम्र बढ़ने के साथ ही बहुत लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में दूध और शहद उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जिनकी हड्डियां कमजोर हैं या जिन्हें हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं। दूध में कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है, जो हड्डियों के लिए आवश्यक तत्व है। शहद और इसके एंजाइम शरीर में पोषक तत्वों को रेगुलेट (प्रवाहित) करने में मदद करते हैं। कैल्शियम वाले आहारों के सेवन से दांत भी मजबूत और स्वस्थ रहते हैं।

अच्छी नींद के लिए दूध और शहद

आजकल बहुत से लोग तनाव या मानसिक चिंता की वजह से ठीक से सो नहीं पाते हैं। युवाओं में देर रात तक जागने और मोबाइल के इस्तेमाल के कारण स्लीप एप्निया (अनिद्रा) की समस्या काफी बढ़ गई है। नींद की कमी कई तरह के शारीरिक और मानसिक रोगों को बढ़ावा देती है। अगर आप एक गिलास गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीते हैं, तो आपको रात में अच्छी और गहरी नींद आती है।

रेसिपी

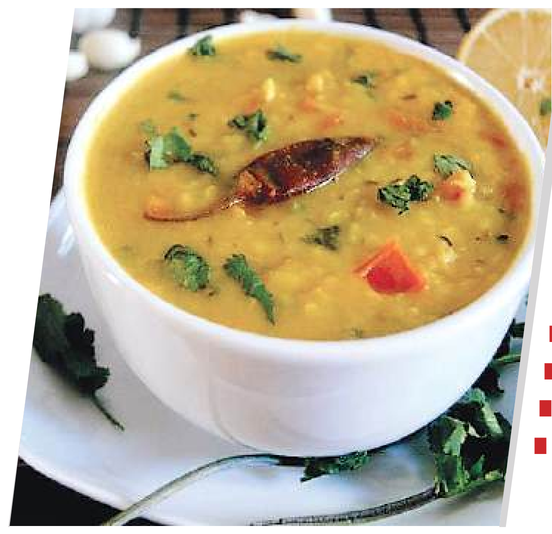

लहसुनी दाल

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- इमली का पेस्ट: 1/4 कप
- हरी मिर्च: 1-2
- लहसुन: 10 कलियां
- तेल : 1 बड़ा चमच्च
- राई: 1 छोटा चमच्च
- कढ़ी पत्ता: 6-7
- हरा धनिया
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

लहसुनी दाल बनाने के लिए सबसे पहले, दाल को प्रेशर कुकर में पानी और हल्दी के साथ पका लें। पकने के बाद उसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में हरी मिर्च को बिना तेल के फ्राई कर अलग रख दें। अब एक मिक्सर में दाल, हरी मिर्च, लहसुन, इमली का पेस्ट और नमक डाले और पीस लेंगे। अब कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई और कढ़ी पत्ता डालें। 10 सेकंड बाद इसमें पीसी हुई दाल डाले और गैस बंद कर दे। बंद करने के बाद, हरे धनिए से गार्निश करें।

तवा पुलाव

सामग्री

- चावल: 1/2 कप
- तेल या मक्खन: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच
- प्याज बारीक काटा: 1/4 कप
- अदरक:लहसुन पेस्ट- 1 चम्मच
- टमाटर: 1/3 कप
- पावभाजी मसाला: 1 बड़ा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- शिमला मिर्च: 1/4 कप बारीक कटी
- सीजनल सब्जियां (आलू, गाजर, बींस, मटर): 3/4 कप
- हरी धनिया: बारीक कटी
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

चावल को धोकर अच्छे से पका लें। सारी सब्जियों को काटकर हल्का उबाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालकर तड़काएं। अब इसमें प्याज डालें और उसे सुनहरा भूरा करें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भूनेंगे। फिर टमाटर और नमक डालकर नरम होने तक पकाएं। अब इसमें सभी उबली हुई सब्जियों को डाल दें। ऊपर से पावभाजी मसाला डालें और पानी डालकर थोड़ी और देर पकाएं। पानी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो। अब इसमे चावल डालेंगे और ऊपर से बारीक कटी हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1793

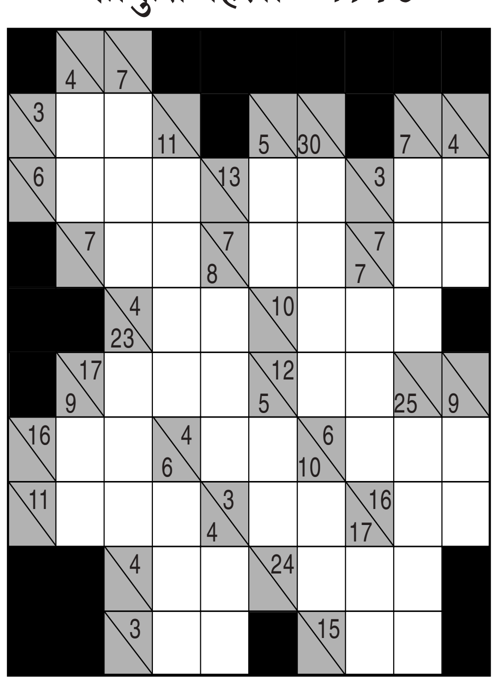

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

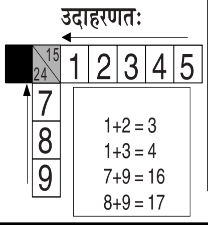

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1792 का हल

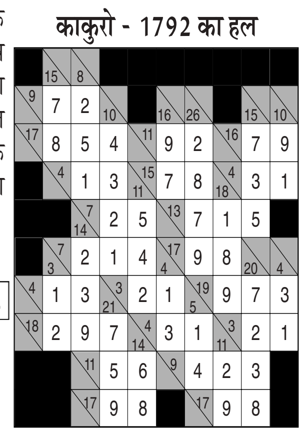

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1793

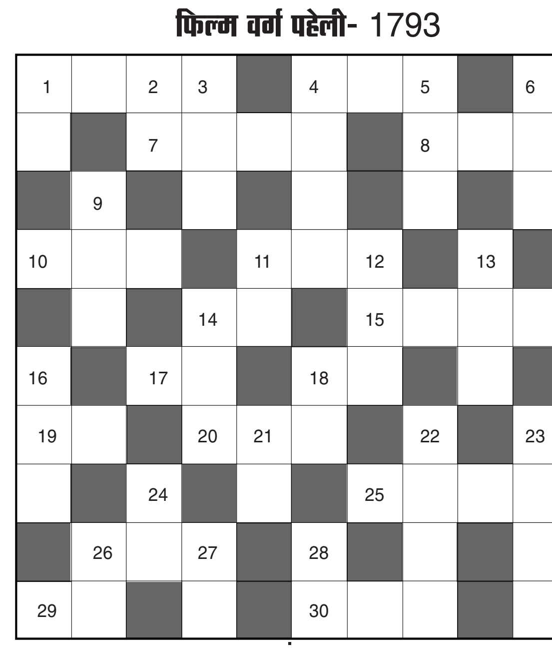

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नताल्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1792

सूडोकु -1793

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1792 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 1793

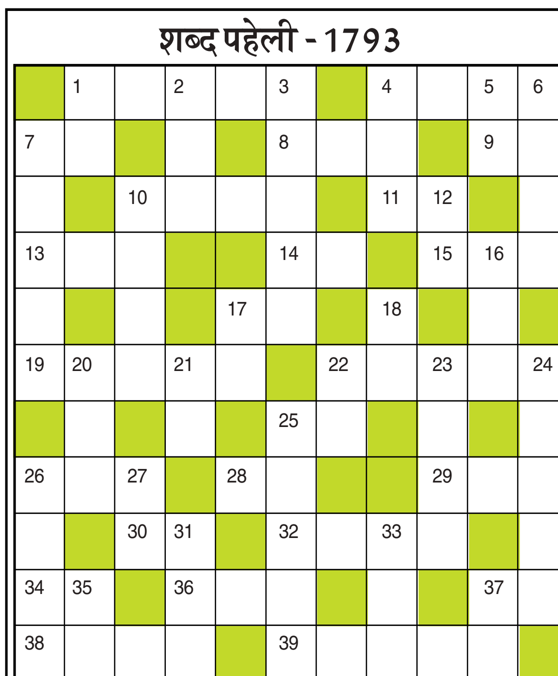

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1792 का हल

उत्तराखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लागू,मदरसा बोर्ड समाप्त

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार से उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण (यूएसएएमई) लागू हो गया। इसके साथ ही उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम और गैर-सरकारी अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम समाप्त हो गए। नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों समेत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को निर्धारित नियमावली के अनुरूप मान्यता लेनी होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जारी एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए समान एवं पारदर्शी मान्यता प्रणाली सुनिश्चित करेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता और जवाबदेही को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के बच्चों को आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और भारतीय जीवन मूल्यों से सशक्त बनाना है, ताकि वे विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकें। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों को पहले उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त करनी होगी, जिसके बाद अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से मान्यता दी जाएगी। प्रत्येक मान्यता तीन शैक्षणिक वर्षों के लिए वैध होगी। प्राधिकरण को संस्थानों का निरीक्षण करने तथा नियमों के उल्लंघन पर सुनवाई के बाद मान्यता निरस्त करने का अधिकार भी होगा।

काम को तनाव नहीं, आनंद का जरिया बनाएं युवा:मनन चतुर्वेदी

नई दिल्ली। कला और मातृत्व की अनूठी मिसाल मनन चतुर्वेदी ने बुधवार को कहा कि आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच युवाओं को अपने हर कार्य को तनाव नहीं, आनंद का जरिया बनाना चाहिए। इसी खुशी से निरंतरता और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। देश भर में 'रंगरेजा' के नाम से मशहूर पेंटर मनन चतुर्वेदी दिल्ली के पालिका बाजार में 24 घंटे लगातार पेंटिंग बनाने के अनूठे लक्ष्य पर जुटी हुई हैं। शुरू हुआ उनका यह सफर उनके जज्बे को दिखाता है। उत्तर प्रदेश में पैदा हुई मनन की कर्मभूमि राजस्थान रही है। मनन ने कहा, आज के बच्चे किसी भी तरह का दबाव लेकर काम न करें। जिंदगी में खुश रहना सबसे ज्यादा जरूरी है। जब आप खुश मन से कोई काम करते हैं, तो उसका परिणाम हमेशा खूबसूरत होता है। सफाई और स्पष्टता को अपनी कला की मुख्य ताकत मानने वाली मनन ने बताया कि वह आज एक अनोखे और चुनौतीपूर्ण मिशन पर हैं, जहां वह अगले 24 घंटों के भीतर करीब 25 पेंटिंग बनाने वाली हैं।

पश्चिम बंगाल के उपयुक्त क्षेत्रों में बाघों की पुनर्स्थापना की संभावनाएं तलाश रहा केंद्र: भूपेंद्र यादव

कोलकाता। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के उपयुक्त क्षेत्रों में बाघों की पुनर्स्थापना की संभावनाओं का वैज्ञानिक आधार पर अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श और वैज्ञानिक योजना के साथ इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। छुट्टियांव मौसमी आयोजन कोलकाता में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के 111वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एनिमल टैक्सोनॉमी समिट 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि देश में संरक्षण की सोच अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह सतत विकास और विकसित भारत की परिकल्पना का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। इतिहास उन्होंने राजस्थान के सरिस्का में बाघ पुनर्स्थापना कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2008 में वहां बाघों की संख्या शून्य थी, जो अब बढ़कर 56 हो गई है। उन्होंने कहा कि इसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल के उपयुक्त परिदृश्यों में बाघों की पुनर्स्थापना की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ नौगई ट्रिपल मर्डर जांच करेगी सीबीआई

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने कोरिया जिले के कटगोड़ी नौगई ट्रिपल मर्डर केस की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस सम्बन्ध में गृह विभाग द्वारा इसकी अधिसूचना (नोटिफिकेशन) भी जारी कर दी गई। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 की धारा-6 के तहत अपनी आधिकारिक सहमति (अधिसूचना) जारी की है। इसके तहत सोनहत थाने में दर्ज दोनों एफआईआर की जांच का अधिकार क्षेत्र अब सीधे तौर पर सीबीआई को सौंप दिया गया है। वर्ष 2023 में साय सरकार बनने के बाद यह दूसरा मामला है, जिसकी सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। इससे पहले पीएससी घोटाले की जांच की सीबीआई को सौंपी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि यह वारदात 16 जून 2026 की रात को सोनहत-नौगई गांव में हुई थी। इस हमले में भाजपा नेता भरत सिंह (लल्ला सिंह), नागेंद्र सिंह और वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। आज उनकी तेरहवीं का कार्यक्रम भी था। आज डिप्टी सीएम गृह विजय शर्मा ने मृतकों के परिजनों से बात की थी। शुरुआती जांच के अनुसार, यह पूरा विवाद रेत तस्करी/कारोबार और पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आरोपितों ने पीड़ितों की फॉर्च्यूनर कार को एक टिपर ट्रक से टक्कर मारकर रोका और फिर गाड़ी में आग लगाकर उन्हें जिंदा जला दिया।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया दबाव क्षेत्र

• 3 जुलाई तक तमिलनाडु और पुडुचेरी में हो सकती है बारिश

एजेंसी

चेन्नई । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 3 जुलाई तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे क्षेत्रों में एक नया दबाव क्षेत्र बनने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से आने वाले कुछ दिनों में तमिलनाडु और पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। आईएमडी ने अपने मौसम बुलेटिन में बताया कि उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर ऊपरी वायुमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है। इसके प्रभाव से 3 जुलाई के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। विकसित हो रही यह मौसमी प्रणाली पूर्वी भारत में मानसून की गतिविधियों को और मजबूत कर

सकती है, वहीं उत्तरी तमिलनाडु में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना भी बढ़ाएगी। मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को उत्तर तमिलनाडु और पुडुचेरी के एक या दो स्थानों पर गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे आकाशीय बिजली और गरज-चमक के दौरान चलने वाली तेज हवाओं को लेकर सतर्क रहें। वहीं, दक्षिण तमिलनाडु में इसी अवधि के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। हालांकि दक्षिणी जिलों में व्यापक स्तर पर भारी बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन अनुकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों के चलते कुछ स्थानों पर बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। आईएमडी ने गुरुवार के लिए कोयंबटूर जिले के पहाड़ी क्षेत्रों तथा नीलगिरि और थेनी जिलों में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारी वर्षा के प्रति संवेदनशील इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखे जाने की संभावना है, विशेषकर उन संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में जहां भारी बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। चेन्नई के लिए मौसम विभाग ने बुधवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। शहर के कुछ हिस्सों में शाम या रात के दौरान गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

डिजिटल क्रांति ने देश में शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाया -नितिन नवीन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने अपनी स्थापना के 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया ने तकनीक को केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और जनसशक्तिकरण का सशक्त आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति ने देश में शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया है। नवीन ने कहा कि यूपीआई माध्यम से डिजिटल भुगतान में क्रांतिकारी बदलाव आया है, जबकि डिजिलॉकर ने कागजरहित सेवाओं को बढ़ावा दिया है। वहीं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के माध्यम से भारत ने विश्व के सामने समावेशी और तकनीक-आधारित विकास का सफल मॉडल प्रस्तुत किया है। इतिहासभाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज गांव से लेकर वैश्विक मंच तक भारत की डिजिटल क्षमता इनोवेशन और डिजिटल परिवर्तन की नई पहचान बन रही है। उनके अनुसार, डिजिटल इंडिया अभियान विकसित भारत के संकल्प को नई गति देने के साथ भारत को वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने अखिलेश यादव को दी जन्मदिन की बधाई

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का बुधवार को जन्मदिन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्मदिन के अवसर पर उनको बधाई दी है। अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। प्रभु श्री राम से आपके लिए आरोग्यता और दीर्घायु की प्रार्थना है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव को बधाई देते हुए 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'सपा प्रमुख, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और ढेरों शुभकामनाएं! मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और आदि देव महादेव की कृपा आप पर बरसे और आप सदैव स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने लिखा,

'समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री और संसद में समाजवादी संसदीय दल के नेता अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिवस पर उन्हें अनंत शुभकामनाएं। वे 27 में अत्याचारी शासन का अंत करें, ये जन जन की अभिलाषा है। '

समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट से अखिलेश यादव को बधाई दी गई है। सपा की ओर से लिखा गया, 'समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री, लोकसभा में सपा संसदीय दल के नेता अखिलेश यादव जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हम ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। '

सपा नेता राजकुमार भाटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'समाजवाद की सशक्त आवाज, पीडीए जननायक अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, 'आपका नेतृत्व हमारे लिए गर्व की बात है, आप यूं ही समाजवाद के पथ पर आगे बढ़ते रहें। '

भरूच में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की दीवार मकान पर गिरी, मलबे में दबने से दो लोगों की मौत

एजेंसी

भरूच । गुजरात के भरूच में बुधवार को निर्माणाधीन 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' की दीवार पास के एक मकान पर गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्य मलबे के नीचे दब गए, जिनमें से दो लोगों की मौत हो गई है। बताया गया कि भरूच के आली मातरिया तालाब क्षेत्र में बुधवार सुबह यह हादसा हुआ। घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम को सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों का एक दल मौके पर पहुंचा। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की एक बड़ी दीवार अचानक एक घर पर गिरने से परिवार के सदस्यों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। इस कारण चार लोग मलबे में ही दब गए। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत दो महिलाओं को सुरक्षित बचा लिया गया और उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, पिता-पुत्र की मलबे में दबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान 21 साल के आशीष वसावा और उनके पिता अश्विन वसावा के रूप में हुई। पुलिस और बचाव दल के मौके पर पहुंचने के बाद अभियान चलाया गया। इस दौरान मलबे में दबे शवों को बाहर निकाला।

भरूच नगरपालिका के अधिकारी चिराग गढवी ने आईएएनएस को बताया, 'रात करीब 2:30 बजे कंट्रोल रूम ने हमें भरूच शहर के अली इलाके में एक दीवार गिरने की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद, भरूच फायर ब्रिगेड की एक टीम को रेस्क्यू टेंडर के साथ तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। '

अधिकारी ने बताया कि मौके पर

पहुंचने के बाद टीम को पता चला कि कुल चार लोग इस मकान में रह रहे थे। दो महिलाओं को पहले ही रेस्क्यू कर लिया गया था। मलबे में दबे दो अन्य लोगों को रेक्स्यू करने के बाद सिविल अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित किया है।

मुंबई पर बारिश की मार; क्यों थमी मायानगरी की रफ्तार

सड़क से लेकर लोकल तक सब बेहाल

एजेंसी

मुंबई । मुंबई के कई इलाकों में बुधवार सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण अंधेरी सबवे समेत कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। हालात को देखते हुए प्रशासन को कई स्थानों पर ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार, अंधेरी सबवे और शहर के कुछ अन्य निचले इलाकों में पानी भर जाने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। स्थिति को संभालने के लिए ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ा गया।

लोकल ट्रेनें देरी से क्यों चलीं?

बारिश के बावजूद BEST बस सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। हालांकि, सेंट्रल रेलवे और वेस्टर्न रेलवे की उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवाएं कुछ देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

हार्बर लाइन पर क्यों बढ़ी परेशानी?

नवी मुंबई को मुंबई से जोड़ने वाली हार्बर लाइन पर सुबह 4:52 बजे से 5:45 बजे के बीच ओवरहेड वायर टूट जाने के कारण लोकल ट्रेनों की

आवाजाही प्रभावित रही। इससे कई सेवाओं में देरी हुई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के अनुसार, मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे तक पूर्वी उपनगरों में औसतन 109 मिमी, पश्चिमी उपनगरों में 87 मिमी और द्वीपीय (आइलैंड) शहर क्षेत्र में 86 मिमी बारिश दर्ज की गई।

कहां हुई सबसे ज्यादा बारिश?

BMC के स्वचालित वर्षामापी (ऑटोमैटिक रेन गेज) के आंकड़ों के मुताबिक, पूर्वी उपनगर मानखुर्द में सबसे अधिक 170.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। द्वीपीय शहर क्षेत्र में भायखला में 162.52 मिमी, मुंबई सेंट्रल में 142.43 मिमी और वडाला में 127 मिमी वर्षा दर्ज की गई। पश्चिमी उपनगरों में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) में 132.4 मिमी और बोरीवली में 126 मिमी बारिश हुई। वहीं, दिंडोशी फायर स्टेशन स्थित वर्षामापी केंद्र पर 123 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बुधवार सुबह 7 बजे से 8 बजे के बीच द्वीपीय शहर और पूर्वी उपनगरों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर तेज बारिश हुई, जबकि पश्चिमी उपनगरों के कई हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक 39 मिमी बारिश अंधेरी पश्चिम में हुई।

अंधेरी पूर्व में 34 मिमी और बांद्रा पश्चिम में 24 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। भारी बारिश के कारण अंधेरी सबवे और शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। हालात को देखते हुए प्रशासन ने कुछ इलाकों में ट्रैफिक को डायवर्ट किया, ताकि लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड घोटाले में तत्कालीन सदस्य सचिव आईएएस प्रदीप कुमार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के तत्कालीन सदस्य सचिव एवं आईएएस अधिकारी प्रदीप कुमार को सरकारी धन के गबन के मामले में गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32, चंडीगढ़ शाखा में बोर्ड के खाते से लगभग 169 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई, जिससे हरियाणा सरकार को बड़ा वित्तीय नुकसान हुआ। सीबीआई के अनुसार, जांच में सामने आया है कि प्रदीप कुमार का इस धोखाधड़ी से सीधा संबंध था और उन्होंने निवेश से जुड़े कार्यों को स्वयं संभाला था। निर्धारित सीमा से कहीं अधिक धनराशि फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) बनाने के नाम पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को भेजी गई। इसके लिए पहले एचएसपीसीबी की राशि बैंक की सेक्टर-32 शाखा में खोले गए एक खाते में स्थानांतरित की गई। जांच में यह भी पाया गया कि विभाग के पास इस खाते को खोले जाने से संबंधित कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। सीबीआई ने बताया कि खाते के संचालन और धन हस्तांतरण की प्रक्रिया बिना आवश्यक अनुमोदनों के की गई। जांच में अब तक यह सामने आया है कि बैंक में कोई वास्तविक एफडी नहीं बनाई गई थी। इसके बजाय खाते से फर्जी डेबिट लेन-देन कर सरकारी धन का गबन किया गया। इस मामले में हरियाणा सरकार को लगभग 169 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जो पूरे घोटाले में प्रभावित विभागों में सबसे बड़ा नुकसान माना जा रहा है। जांच एजेंसी के अनुसार, प्रदीप कुमार लंबे समय से जांच से बचने का प्रयास कर रहे थे और बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जांच में शामिल नहीं हो रहे थे।

ओडिशा के पेयजल मंत्री नायक ने की मप्र जल निगम की नवाचार आधारित कार्यप्रणाली की सराहना

एजेंसी

भोपाल। ओडिशा के पंचायती राज एवं पेयजल मंत्री रबी नारायण नायक के नेतृत्व में आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने निगम की संस्थागत व्यवस्था, परियोजना क्रियान्वयन प्रणाली, तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, संचालन एवं संधारण (ओ एंड एम), वित्तीय प्रबंधन तथा मानव संसाधन विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री नायक ने मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा अपनाई गई आधुनिक और नवाचार आधारित व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इनमें से कई व्यवस्थाओं को ओडिशा में भी लागू करेंगे। म.प्र. जल निगम के प्रबंध संचालक के.वी.एस. चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में संचालित ग्रामीण नल-जल योजनाओं की प्रगति, डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था, रियल टाइम निगरानी प्रणाली, परियोजनाओं के संचालन एवं संधारण मॉडल, ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपयोग एवं विद्युत भुगतान की व्यवस्था, क्षमता

विकास (ट्रेनिंग) कार्यक्रमों तथा तकनीक आधारित प्रबंधन प्रणाली पर विस्तृत जानकारी साझा की।

इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश जल निगम के संस्थागत ढांचे, सुशासन, वित्तीय मॉडल, परियोजना क्रियान्वयन, 'जल रेखा' एवं 'पंचायत दर्पण' जैसे तकनीकी नवाचारों की कार्यप्रणाली तथा ग्रामीण जलापूर्ति प्रबंधन की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने इन व्यवस्थाओं को ग्रामीण पेयजल सेवाओं के प्रभावी संचालन के लिए उपयोगी बताते हुए इनके व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी भी प्राप्त की।

बैठक में दोनों राज्यों के अधिकारियों के बीच संस्थागत ढांचे, वित्तीय स्वायत्तता, परियोजनाओं के क्रियान्वयन, गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल गवर्नेंस तथा भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। उड़ीसा के पेयजल मंत्री नायक ने कहा कि मध्यप्रदेश जल निगम ने जिस पेशेवर एवं परिणामोन्मुखी कार्यप्रणाली को विकसित किया है, वह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायी मॉडल है।

अध्ययन भ्रमण के माध्यम से प्राप्त अनुभव उड़ीसा में ग्रामीण जल प्रदाय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ओडिशा के प्रतिनिधिमंडल में पंचायती राज एवं पेयजल विभाग के आयुक्त-सह-सचिव गिरिश एस.एन., पेयजल एवं स्वच्छता निदेशक विनीत भारद्वाज, अतिरिक्त सचिव मधुस्मिता सामल, इंजीनियर-इन-चीफ रत्नाकर सियाल सहित विभाग एवं स्टेट पीएमयू के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। बैठक में मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सस्ती और उपयोगी तकनीक विकसित करें : सीआर पाटिल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि तकनीक तभी सफल मानी जाएगी, जब वह लोगों तक पहुंचे और समुदायों के लिए उपयोग में आसान हो। जल जीवन मिशन के अगले चरण में हर घर तक केवल पानी पहुंचाने के साथ सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है। इसके लिए ग्रामीण परिस्थितियों के अनुकूल, सस्ती और टिकाऊ तकनीकों की आवश्यकता है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन सीआर पाटिल ने यहां पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) द्वारा आयोजित 'इनोवेशन चैलेंज ग्रैंड फिनाले' को संबोधित करते कहा कि कई दूरदराज गांवों में पेयजल की समय पर जांच अब भी चुनौती बनी हुई है। ग्राम पंचायतों, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय युवाओं द्वारा उपयोग की जा सकने वाली कम लागत वाली जल गुणवत्ता परीक्षण तकनीकों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पैकेज्ड उत्पादों के

बढ़ते उपयोग के कारण प्लास्टिक कचरा भी बढ़ रहा है। चिप्स पैकेट, बिस्कुट रैपर और मल्टी-लेयर प्लास्टिक को दूर स्थित रीसाइक्लिंग केंद्रों तक पहुंचाना महंगा और कठिन है। इसलिए गांव और ब्लॉक स्तर पर ही प्लास्टिक कचरे के प्रसंस्करण की व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिससे 'वेस्ट टू वेल्थ' और सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा को बढ़ावा मिले। कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति एवं रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीणा, अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक कमल किशोर सोअन, संयुक्त सचिव एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की मिशन निदेशक ऐश्वर्या सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, आईआईटी मद्रास के प्रतिनिधि, स्टार्टअप और नवाचारकर्ता उपस्थित रहे। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी आईआईटी मद्रास के सहयोग से आयोजित इस चुनौती का उद्देश्य जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत सुरक्षित पेयजल तथा कम लागत वाले प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के व्यावहारिक समाधान तलाशना था। प्रतियोगिता में कुल 348 आवेदन प्राप्त हुए थे।

ग्रैंड फिनाले में जल जीवन मिशन श्रेणी में चेम्बायोसेंस प्राइवेट लिमिटेड, जलज्योति प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड और प्लास्टिक सर्ज इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया। इन कंपनियों ने जल गुणवत्ता की त्वरित जांच और पोर्टेबल परीक्षण उपकरणों से जुड़े समाधान प्रस्तुत किए।

मप्र के उज्जैन पहुंचे राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी, चढ़ावा चोरी के सवाल पर साधी चुप्पी

एजेंसी

उज्जैन। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे। यहां मीडिया ने उनसे राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी को लेकर सवाल किए तो उन्हें चप्पी साध ली। दरअसल, स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज उज्जैन के महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए उज्जैन पहुंचे थे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें 'महा महोपाध्याय' (डी.लिट) की मानद उपाधि से सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली और बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में मुझे 'महा महोपाध्याय' की जो उपाधि मिली

है, उसे मैं बाबा महाकाल के प्रसाद के रूप में स्वीकार करता हूं। बाबा महाकाल का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और भारत निरंतर उन्नति करता रहे। मंदिर समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने उनका स्वागत किया। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी कालिदास अकादमी के संकुल सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह के बाद मीडिया ने स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज से राम मंदिर ट्रस्ट में कथित चढ़ावा चोरी के मामले पर सवाल किए। हालांकि उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का संकेत दिया और बिना कुछ बोले अपनी कार में बैठकर रवाना हो गए। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 21 विद्यार्थियों को उपाधियां और 42 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक प्रदान किए। कुल 1303 पात्र विद्यार्थियों में से 179 ने पंजीयन कराया था, जबकि 63 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह में स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज को 'महा महोपाध्याय' तथा श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. रमेश पांडेय को 'विद्या वाचस्पति' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए - अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)
रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)
लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल - एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच

खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे - एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पाटर्न्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पाटर्न्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पाटर्न्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया मेरठ स्पाटर्न्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए; ओपनर बल्लेबाज़ ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अथर्व शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज़ पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

- ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ढ्ढष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन - 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा - 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान - 848 रेटिंग
फिल साल्ट - 792 रेटिंग
पाथुम निसांका - 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत - भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम

ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल - अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा- मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला - 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी - अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक

हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल - आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' - मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास - वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह

पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए स्नष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'स्नष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। ष्टन्ने ने पिछले ष्टरु सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

आलोचकों पर बरसे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' के लॉन्च पर पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो उनकी चुप्पी या उनके बोलने पर हमेशा सवाल उठाते रहते हैं। एक्टर ने कहा कि उनके बोलने और न बोलने दोनों पर ही लोगों को शिकायत रहती है।

75 साल के इस एक्टर ने अपने ऊपर होने वाली लगातार आलोचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में यह समझ आया है कि आलोचना से बचा नहीं जा सकता। चेन्नई में हुए इस इवेंट में रजनीकांत ने कहा कि अब उन्हें भाषण देने के लिए बुलाए जाने पर हिचकिचाहट होती है, क्योंकि अक्सर उनकी बातों पर चर्चा होने लगती है। उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे बोलने के लिए कहता है, तो मैं हिचकिचाने लगता हूं। क्योंकि जब भी मैं बोलता हूं, तो कोई न कोई समस्या खड़ी हो जाती है, या तो मेरे लिए या आपके लिए। सुपरस्टार ने आगे यह भी कहा कि जब वे बोलते हैं, तो लोग अक्सर उनके बयानों पर सवाल उठाते हैं या तर्क देते हैं कि उन्हें किसी विशेष मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए था। अगर मैं बोलता हूं, तो कुछ लोग कहेंगे, 'उन्होंने अभी क्यों बोला?' जबकि अन्य कहेंगे कि उन्हें बोलना ही नहीं चाहिए था। कई साल बाद मुझे एक बात समझ आई है, जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे हमें तब भी पसंद नहीं करेंगे, चाहे हम कुछ भी कर लें। यह सोचना बेवकूफी है कि जो लोग हमें पसंद नहीं करते हैं, वे हमारे हर काम को पसंद करेंगे। इसलिए सावधान रहना जरूरी है। हर किसी से अपने कामों के लिए मंजूरी की उम्मीद करना सही नहीं है और लोगों को सावधान रहना सीखना चाहिए।

रजनीकांत की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

हाल ही में रजनीकांत को उनके राजनीतिक रुख या राजनीतिक नेताओं के साथ मुलाकातों के लिए काफी ट्रोल किया गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास डायरेक्टर नेल्सन की 'जेलर 2' भी है, जिसके कुछ महीनों में रिलीज होने की उम्मीद है। वहीं कमल हासन के साथ उनकी फिल्म, जिसे नेल्सन डायरेक्ट करेंगे, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट है 'वेलकम टू द जंगल'

भोजपुरी स्टार और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों काफी खुश हैं। हाल ही में वे बॉलीवुड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आईं हैं। इसके बाद अब उन्होंने गाने के बाद मिली पॉपुलैरिटी को लेकर और अक्षय कुमार के साथ काम करने पर बात की है। एक इंटरव्यू में अक्षरा सिंह ने कहा, 'मैं अहमद सर, गणेश आचार्य सर और अक्षय सर की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।' अक्षरा ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस गाने के लिए फोन आया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें थोड़ा डर लगा था। अक्षरा ने कहा, 'मुझे अहमद सर के प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया और बताया गया कि 'वेलकम टू द जंगल' में एक गाना है, जो मुझे करना है। पहले मैं थोड़ा हिचकिचाई, लेकिन बाद में गणेश आचार्य सर का फोन आया और उन्होंने मुझे समझाया। जैसे ही मैंने उनका और अक्षय सर का नाम सुना, मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई।'

मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था

उन्होंने आगे कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी थी, लेकिन मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था। मैं इतनी घबराई हुई थी कि वॉशरूम तक जाना पड़ा। यह मेरे लिए एक फैनगर्ल मोमेंट था। कल तक मैं टीवी पर अक्षय सर की फिल्में देखती थी और ताली बजाती थी, और आज उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। मुझे लगा जैसे जिंदगी खुद अपनी कहानी लिख रही है।'

अली गोनी से शादी के लिए तैयार हैं जैस्मिन भसीन

टीवी सीरियल की दुनिया में अली गोनी और जैस्मिन भसीन चर्चित नाम हैं। दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में भी हैं। शादी को लेकर भी यह कपल सीरियस है। हाल ही में अली गोनी ने एक इंटरव्यू में जिक्र किया कि वह शादी को लेकर प्लान बना रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई हालिया बातचीत में अली गोनी ने कहा, 'मेरी मम्मी बोल रही हैं कि शादी कर लो। जैस्मिन भी तैयार है, मैं भी बिल्कुल तैयार हूं।' आगे वह थोड़ा शरमाते हैं और कहते हैं, 'हो सकता है कि जल्द ही आपको कोई खबर मिले। प्लान हो सकता है।' अली गोनी ने साल 2020 में डेट करना शुरू किया था लेकिन शुरुआत में अपना रिश्ता छिपाकर रखा। फिर अचानक अली गोनी जैस्मिन से मिलने के लिए 'बिग बॉस 14' रियलिटी शो में पहुंचे। इस दौरान ही फैंस को इनके रिश्ते के बारे में पता चला। आगे चलकर दोनों ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक के सामने स्वीकार भी किया। अली गोनी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। एक्टिंग के अलावा वह बिजनेस भी करते हैं। पिछले दिनों 'लाफ्टर शेफ 3' में भी नजर आए। इस शो में वह अपने मस्ती भरे अंदाज और कुकिंग स्किल्स की वजह से पॉपुलर हुए।

रीशूट होगी सिद्धार्थ तमन्ना स्टारर 'वन'

इंडियन सिनेमा में पिछले कुछ वर्षों में हॉरर फिल्मों की भाषा तेजी से बदली है। अब केवल डराने वाले सीन नहीं, बल्कि माहौल, लोककथाएं और मनोवैज्ञानिक तनाव भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी बदलते दौर में 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपने एक्स्ट्रा शूट शेड्यूल को लेकर चर्चा में है। फिल्म की टीम ने करीब 10 दिनों की नई शूटिंग का फैसला किया है। यह निर्णय किसी तकनीकी कमी या कहानी में बड़े बदलाव की वजह से नहीं लिया गया, बल्कि इसलिए कि फिल्म के हॉरर, सस्पेंस और खासकर अंतिम हिस्से को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि टीम मौजूदा फुटेज से संतुष्ट है, लेकिन उन्हें लगा कि क्लाइमैक्स में कुछ ऐसे अवसर मौजूद हैं जिनसे तनाव और सिनेमाई असर को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है।

घने जंगल और लोककथा के जरिए कहानी में पैदा होगा डर

निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभकुमार इस फिल्म को पारंपरिक हॉरर से अलग रूप देना चाहते हैं। फिल्म भारतीय लोककथाओं, जंगलों और रहस्यमयी मान्यताओं से प्रेरित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहानी में बिहार के दरभंगा क्षेत्र और छठ पर्व की सांस्कृतिक झलक भी शामिल की गई है।

फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा

सूत्रों के अनुसार फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा। कई हिस्सों की शूटिंग वास्तविक लोकेशनों पर और सीमित कृत्रिम रोशनी के बीच की गई है ताकि सीन्स ज्यादा वास्तविक और रहस्यमयी महसूस हों। मेकर्स का फोकस ऐसे अनुभव पर है जहां हर आवाज और हर छाया कहानी का हिस्सा लगे।

फाइनल कट के बाद टीम को लगा कुछ कमी रह गई है

बताया जा रहा है कि फाइनल कट देखने के बाद टीम को लगा कि अंतिम हिस्से में तनाव और भावनात्मक असर को और बढ़ाया जा सकता है। इसी वजह से कुछ हॉरर सीक्वेंस और क्लाइमैक्स वाले विजुअल्स पर दोबारा काम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया बड़े स्केल की फिल्मों में अक्सर अपनाई जाती है ताकि दर्शकों को ज्यादा इमर्सिव अनुभव मिल सके।

वीएफएक्स के साथ बनेगा नया सिनेमैटिक यूनिवर्स

फिल्म में वीएफएक्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स दोनों का मेल रखा गया है ताकि स्क्रीन पर कृत्रिमता कम लगे। रिलीज से पहले 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी लाई गई है।

हम पूरी श्रद्धा के साथ 'रामायण' बना रहे हैं

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म से रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद से फैंस इस फिल्म की हर अपडेट को लेकर और भी उत्सुक हैं। फिल्म की कास्टिंग से लेकर इसके बड़े पैमाने और वीएफएक्स तक कई वजहों से इसकी चर्चा हो रही है। अब फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे ने दर्शकों के लिए एक मैसेज में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदों पर बात की है।

हम पूरी तरह से इसके साथ न्याय करने की कोशिश कर रहे हैं

हालिया बातचीत में रवि दुबे ने फिल्म और इसे बनाने के तरीके के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत और रामायण एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। वे एक ही हैं। जहां तक तैयारी की बात है, हम उस पर बाद में चर्चा करेंगे। यह हमारा इतिहास और हमारी धरोहर है और हम इस पर जितना ज्यादा काम कर सकते हैं, अपनी क्षमता के अनुसार इसके साथ न्याय करने की उतनी ही कोशिश करेंगे। यह एक शानदार अनुभव रहा है। फिल्म से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस बारे में बात करते हुए रवि दुबे ने कहा कि हम यह फिल्म पूरी श्रद्धा के साथ बना रहे हैं। आप भी श्रद्धा के साथ इंतजार करें।

फिल्म से सामने आ चुका है रणबीर का लुक

इस साल की शुरुआत में 'रामायण' का पहला लुक यानी टीजर जारी किया गया था। इसमें रणबीर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया था, साथ ही उन असुरों की झलक भी थी जिनसे वे लड़ते हैं, रावण की झलक और युद्ध के भी कई सीन दिखाए गए थे। इस टीजर को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। जहां कई लोगों ने राम के किरदार में रणबीर की तारीफ की थी। हालांकि, वहीं इतनी बड़ी फिल्म के वीएफएक्स की आलोचना भी हुई। तब से कई लोग इस उम्मीद में अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं कि वीएफएक्स को बेहतर कर लिया गया होगा। मेकर्स ने भी वीएफएक्स पर काम करने की बात कही थी।

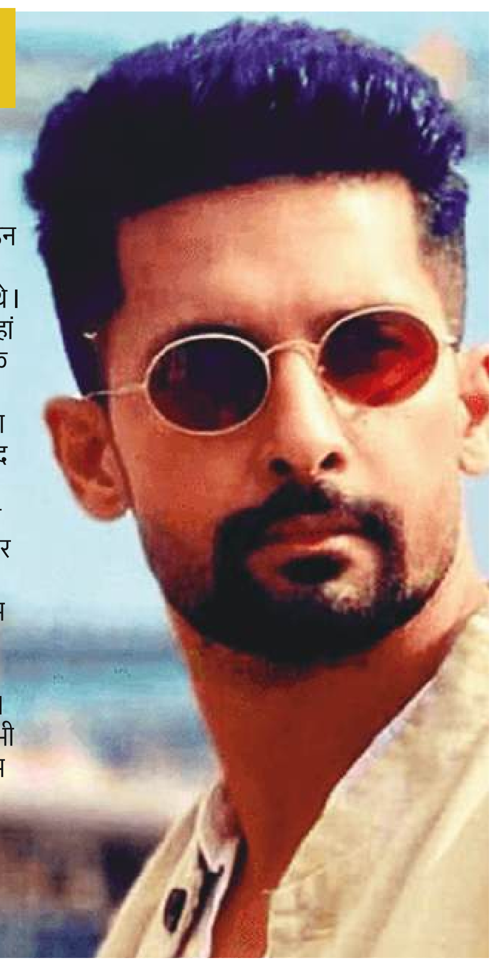

इम्तियाज अली नहीं बनाना चाहते अपनी फिल्मों का सीक्वल

इम्तियाज अली हिंदी सिनेमा के उन फिल्मकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने प्रेम कहानियों और रिश्तों को एक अलग नजरिए से पर्दे पर पेश किया। 'जब वी मेट', 'लव आजकल' और 'रॉकस्टार' जैसी उनकी फिल्में कल्ट क्लासिक में गिनी जाती हैं और दर्शक भी आए दिन इन फिल्मों के सीक्वल की मांग करते हैं। मगर इम्तियाज अली सीक्वल बनाने में यकीन नहीं रखते। इम्तियाज अली इस वक्त अपनी हालिया रिलीज 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है, खूब कमा रही है और तारीफें बटोर रही है। जब इम्तियाज अली से पूछा कि क्या वह अपनी किसी फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर कोई ऐसी कहानी है जो नेचुरली आए और लगे कि यह सीक्वल हो सकता है, तब तो ठीक है। वरना सिर्फ मार्केटिंग के लिए सीक्वल बनाने में मैं यकीन नहीं करता हूं। मुझे मालूम है कि अगर 'जब वी मेट' या 'रॉकस्टार' का सीक्वल बनेगा तो कम से कम लोगों में जिज्ञासा आएगी और बॉक्स ऑफिस पर एक ओपनिंग लग जाएगी। तब क्या होगा कि फिल्म कैसी भी हो, पैसे तो बन ही जाएंगे। मगर मेरी यह सोच नहीं है और न मुझे यह पसंद है। वैसे मैं सीक्वल्स के पक्ष में नहीं रहता क्योंकि बतौर फिल्ममेकर आपको मजा भी तब आता है, जब आप एक नए रास्ते पर निकलते हो।'

हर फिल्म पिछली से जुदा क्यों?

इम्तियाज की ज्यादातर फिल्में अपनी पिछली फिल्म से बिल्कुल जुदा होती हैं। इस बारे में वह कहते हैं, 'मुझे पहले वाला काम पसंद नहीं आता। जो काम मैं कर चुका हूं, दोबारा करने में उतना मजा नहीं आता है और मुझे ऐसा लगता है कि हम अलग-अलग तरह की फिल्में बनाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं। तो एक तरह के अनुभव से आपने कुछ सीखा, दूसरे से आप कुछ और सीखोगे।'

युवा चाहते हैं उम्र भर चलने वाली मोहब्बत

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन के समय शुरू हुई प्रेम कहानी पर आधारित है। मगर इस तरह की कहानियों पर फिल्में दशकों से बन रही हैं। तो फिर क्यों इम्तियाज ने यह विषय चुना?

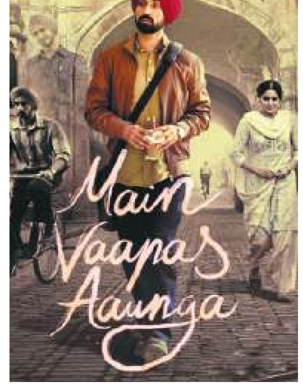

वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने की सोच तो विभाजन और उसकी जो लव स्टोरीज हैं, उनसे शुरू हुआ। इसको देखकर जो आज के लोग हैं, वो बहुत हैरान होते हैं। वो यह सोचकर हैरान हैं कि हमारे दादाजी 78 सालों बाद भी किसी को याद कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ऐसा हमारी जिंदगी में क्यों नहीं मुमकिन हो सकता। हमें भी इस तरह की मोहब्बत चाहिए जो उम्र भर चले।' इस फिल्म में लीड किरदार दिलजीत ने निभाया है जो उनकी पिछली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के भी हीरो थे। इस पर इम्तियाज कहते हैं, 'पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ही एक्टर दो फिल्मों में लगातार एक के बाद एक कास्ट हुआ हो। और यह संजोग है कि दोनों फिल्मों के लिए दिलजीत ही फिट थे। जब हम 'चमकीला' कर रहे थे तो इस फिल्म में भी वही एक्टिंग करेंगे, इस बात का कोई पता नहीं था। यह कैरेक्टर भी उस वक्त तक पूरी तरह से बना नहीं था।

प्रेम की परिभाषा बहुत बदली है

'जब वी मेट' को करीब-करीब दो दशक का समय हो चुका है। इतने समय में प्यार को लेकर विचारों में क्या बदलाव आया है? यह पूछने पर इम्तियाज कहते हैं, 'परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहले लगता है कि यही एक परिभाषा है। इतनी सारी फिल्मों के बाद हर चीज की समझ, पहचान और परिभाषा बदली है। जिसको हम प्यार कहते हैं या प्रेम का रिश्ता कहते हैं, उसकी परिभाषा बहुत ज्यादा बदली है। जो भी बदलाव आया है, वह मेरे ख्याल से मेरी फिल्मों में ही झलकेगा।'

ओटीटी चैलेंज नहीं सुविधा है

जब उनसे पूछा गया कि क्या ओटीटी के दौर में आप कोई चैलेंज महसूस करते हैं? तो वह बोले, 'ओटीटी आज के दौर में चैलेंज नहीं है। असल में यह एक सुविधा है हमारे पास कि हम इस तरह की भी कहानियां बना सकते हैं। जैसे 'चमकीला' ओटीटी के लिए थी। एक और शो भी हम बना रहे हैं, सीरीज भी बना रहे हैं। तो वह सब ओटीटी में आएंगी। इसको मैं चैलेंज नहीं समझता, बल्कि यह एक अच्छी चीज है कि हमारे पास दूसरा भी साधन मौजूद है। अगर चाहें तो हम उसमें भी काम कर सकते हैं। एक और अच्छी चीज इसमें यह होगी कि हमें समझ में आ जाएगा कि ओटीटी के शो बनाने के लिए कौन सी कहानी फिट है और बड़े पर्दे के लिए कौन सी कहानी बेहतर है।'

..सेल्फी एक नया शौक

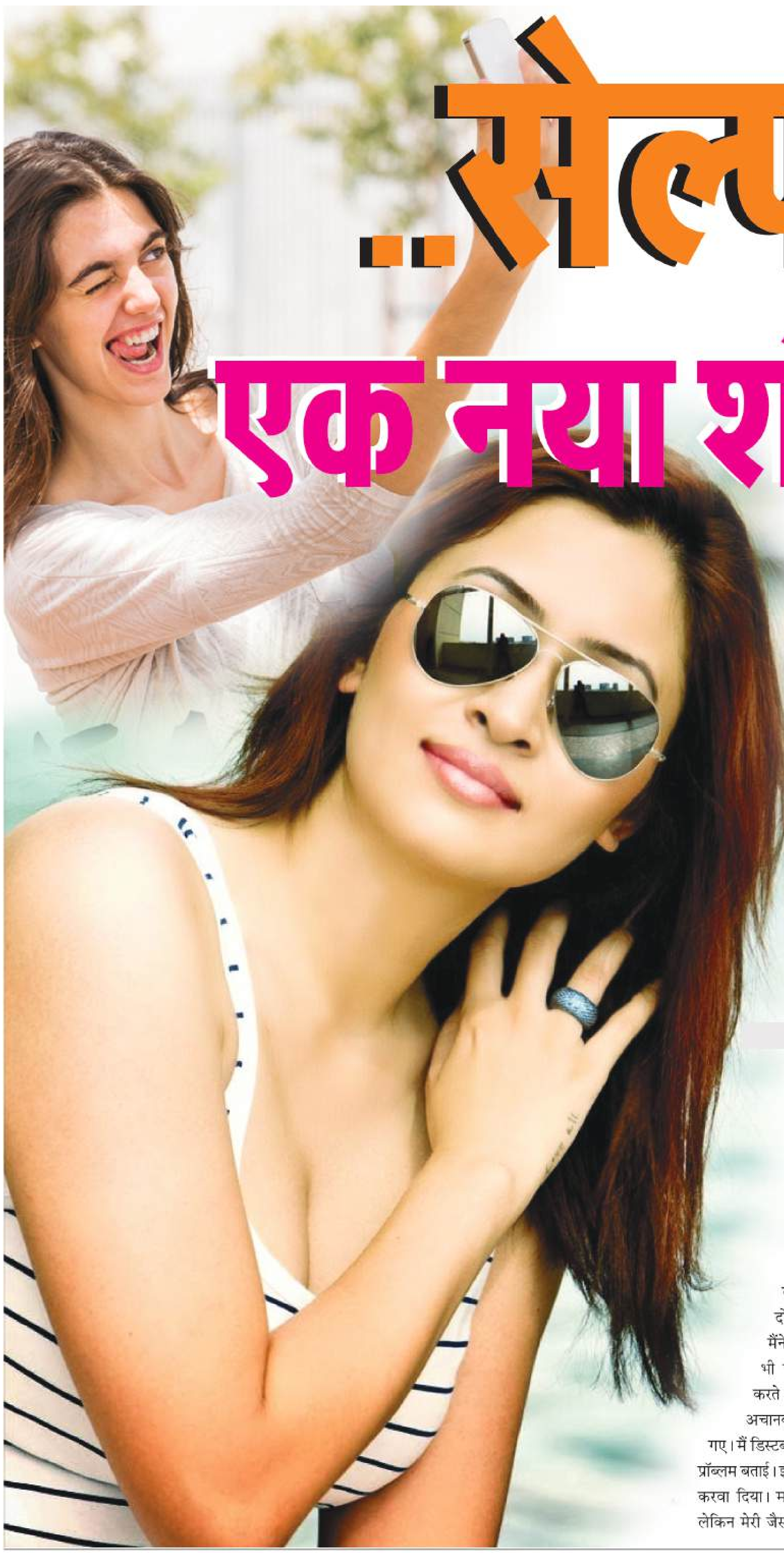

मौजूदा दौर का बड़ा फोटोग्राफिक ट्रेंड बन चुका है सेल्फी। बॉलीवुड सितारों से लेकर टीनएजर्स तक फेसबुक-ट्विटर में सेल्फी अपलोड करते नजर आते हैं। यह नया शौक कई बार सनक में बदलता नजर आता है। कुछ माह पहले सेल्फी की सनक से जुड़ी एक खबर ने सबका ध्यान खींचा था। परफेक्ट सेल्फी की लत के कारण एक ब्रिटिश टीन ने आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लिया था। हालांकि उसे बचा लिया गया, मगर उसके इस कदम ने कई सवाल खड़े कर दिए।

परिपक्वता की कमी

फोटो या पोस्ट पर आने वाले अच्छे-बुरे कमेंट्स के लिए जिस तरह बड़े तैयार रहते हैं, उस तरह बच्चे तैयार नहीं हो पाते। अगर एक भी डिस्लाइक या खराब कमेंट मिल जाए तो यह उनके लिए पीड़ा का सबब बन जाता है। 11वीं के स्टूडेंट 17 वर्षीय सुशांत को कुछ ऐसी ही वजहों से अपना फेसबुक एकाउंट बंद करना पड़ा। इसका कारण था दोस्तों के भद्दे कमेंट्स। वह कहते हैं, मैंने कई बार ड्रॉइंग्स, फोटोज, पोएट्री भी पोस्ट कीं। जब तक दोस्त तारीफ करते थे, अच्छा लगता था, लेकिन अचानक एक दिन भद्दे कमेंट्स आने शुरू हो गए। मैं डिस्टर्ब हो गया। एक दिन मैंने मॉम को यह प्रॉब्लम बताई। इसके बाद उन्होंने मेरा एकाउंट ही बंद करवा दिया। मां ने मेरी समस्या तो हल कर दी, लेकिन मेरी जैसी समस्या बहुत से बच्चे झेलते हैं।

मेडिकल की छात्रा अपूर्वा कहती हैं, बच्चे अपने कमेंट्स में आक्रामक भी हो जाते हैं। कई बार सिर्फ मजा लेने या परेशान करने के लिए वे कमेंट्स करने लगते हैं। तुम्हारी नाक मोटी है, तुम्हारी हेयरस्टाइल ठीक नहीं है, अपने दांत तो देखो.. जैसे कमेंट्स के अलावा कई बार ऐसे कमेंट्स भी आ जाते हैं, जो अपमानित कर सकते हैं। बड़े लोग इसे हैंडल कर लेते हैं, मगर कुछ बच्चे जो बहुत संवेदनशील होते हैं वे इसे हैंडल नहीं कर पाते।

टेक्नोलॉजी एडिक्शन

दिल्ली के एक स्कूल की अध्यापिका अर्चना बताती हैं, पिछले तीन-चार वर्षों में बच्चों में टेक्नोलॉजी एडिक्शन बहुत बढ़ा है। स्कूल में कई बार चेकिंग में बच्चों के बस्तों में फोन मिलते हैं। बच्चों को समझने के लिहाज से मैं स्वयं उनसे फेसबुक पर जुड़ी रहती हूं, लेकिन मुझे हैरत होती है, जब कई बच्चे मुझे रात के 11-12 बजे तक सोशल साइट्स में बिजी दिखते हैं। कई बार मैं चैटिंग के जरिये उन्हें अगले दिन के असाइनमेंट के बारे में बताती हूं। जब उन्हें लगता है कि मैम उन्हें लगातार चेक कर रही हैं तो वे ऑफ लाइन हो जाते हैं। एक टीचर होने के नाते उन्हें अच्छा-बुरा बताने की मेरी एक सीमा है, इसके बाद तो पैरेंट्स की ही जिम्मेदारी है कि वे देखें कि बच्चे देर रात तक क्या करते हैं।

खतरनाक है यह लत

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट गगनदीप कौर कहती हैं, फेसबुक पर कुछ अपलोड करते ही टिप्पणियों का इंतजार होने लगता है। तुरंत कमेंट्स न मिलें तो बेचैनी होती है, बुरे कमेंट्स मिल जाएं तो बच्चा हर्ट होता है। इंटरनेट एडिक्शन पर वर्कशॉप के दौरान हमें कई अनुभव हुए। फेसबुक के जरिये प्रपोज करने का ट्रेंड चल निकला है। किसी ने मैसेज किया- मुझसे दोस्ती करोगे ? जवाब में संदेश मिला- जाकर अपना मुंह शीशे में देख लो..। यह जवाब निजी तौर पर आहत करता है। साथ ही सोशल रिजेक्शन भी महसूस होता है। कमेंट को सब पढ़ लेंगे, यह बात बच्चों को ज्यादा परेशान करती है। हर साइट के इस्तेमाल की कुछ गाइडलाइंस होती हैं, लेकिन इन्हें पढ़ा नहीं जाता। पैरेंट्स भी बच्चों के हाथ में सारे डिवाइस थमा देते हैं, बस यह कहते हुए कि मिसयूज न हो। यह मिसयूज है क्या, यह बच्चों को नहीं बताया जाता। इससे परेशानियां बढ़ती जाती हैं।

संबंध भी होते हैं प्रभावित

यूके में हुआ एक अध्ययन बताता है कि फेसबुक में सेल्फीज की ओवर शेयरिंग रिश्तों के लिए अच्छी नहीं होती। दिनभर सेल्फी अपलोड करना वास्तविक रिश्तों की सेहत पर भारी पड़ता है। स्कॉटलैंड की एक यूनिवर्सिटी में पिछले वर्ष हुए इस अध्ययन में बताया गया कि जब कोई सोशल साइट्स पर कुछ पोस्ट करता है तो इसे दोस्तों-जानकारों के साथ ही अन्य लोग भी देखते हैं। हर किसी पर फोटो या पोस्ट का अलग-अलग असर होता है। यह अध्ययन फोटोग्राफ्स अपलोड करने की आदत पर किया गया था। अध्ययन में सेल्फ फोटो, फ्रेंड्स, इवेंट्स, फैमिली, नेचर फोटोज, कलीग्स, जानवरों.. की तस्वीरों पर आई टिप्पणियों का आकलन करके देखा गया कि इनका अलग-अलग लोगों पर क्या असर पड़ा। इनमें पार्टनर, रिश्तेदार, दोस्त, कलीग्स और अन्य फेसबुक फ्रेंड्स थे। नतीजे में कहा गया कि सेल्फ फोटोज ज्यादा लगाने से वास्तविक रिश्तों की इंटीमेसी कम होती है। रिपोर्ट में कहा गया लोगों के लिए सोशल साइट्स एक तरह से फन टाइम है, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि सोशल साइट्स पर क्या शेयर कर रहे हैं और इसका असर क्या पड़ सकता है। इसलिए कोई पोस्ट करने से पहले कम से कम दो बार सोचें।

सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर होने वाले कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि ऑनलाइन फोटोज की ओवरशेयरिंग से रिश्तों में दरार पड़ सकती है। आजकल तो सोशल साइट्स राजनेताओं की आपसी खींचतान के अलावा पति-पत्नी के झगड़ों का भी कुरुक्षेत्र बनती जा रही हैं।

लत न बन जाए डिसॉर्डर

ब्रिटिश टीनएजर को बचा लिया गया, मगर गहरे अवसाद ने उससे जिंदगी के जो पल छीने, वे कभी वापस नहीं मिलेंगे। उसने बताया कि वह दिन भर में 200 सेल्फी लेता था और अच्छी न लगने के कारण डिस्कार्ड कर देता था। बाद में उसने कहा, मेरे लिए दोस्तों और अन्य लोगों का एप्रूवल मिशन बन गया। यह ड्रग या एल्कोहॉल जैसी समस्या थी मेरे लिए। मैं नहीं चाहता कि मेरी जैसी स्थिति से कोई और गुजरे। उसका इलाज करने वाले मनोविश्लेषक ने एक इंटरव्यू में कहा, यह केस बताता है कि टेक्नोलॉजी एवं सामाजिक ट्रेंड्स मिलकर किस तरह एक व्यक्ति को अवसाद में डाल सकते हैं।

कुड़ियों को भाए घड़ियाँ...

फैशन में आईं नई घड़ियाँ आजकल की कुड़ियों की नाजुक कलाइयों पर अब सिर्फ चुड़ियाँ और कंगन ही नहीं सजते बल्कि सजतीं हैं स्मार्ट, ट्रेंडी और स्पोर्टी मल्टीकलर्ड घड़ियाँ। फैशन की दौड़ में खूबसूरत बालाएँ अपनी पर्सनेलिटी में घड़ियों से भी चार चाँद लगा रहीं हैं।

मल्टीकलर्ड घड़ियों का जमाना इस बार फैशन में युवतियों को लुभाने के लिए मल्टीकलर्ड घड़ियाँ चलन में आई हैं। इन घड़ियों में लाल, हरे, पीले, नीले, काले कई रंगों के डायलकेस मौजूद रहते हैं, जिन्हें आप किसी भी रंग के परिधान के साथ मैच कर पहन सकते हैं।

कड़ेनुमा घड़ियाँ भी चलन में सिल्वर व मेटल के बेस पर विभिन्न डिजाइनों से सजी कड़ेनुमा घड़ियाँ युवतियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। इन घड़ियों को आप साड़ी, सलवार कुर्ता व जींस के साथ पहन सकती हैं। इन घड़ियों का मुख्य आकर्षण है डायलकेस के अंदर झिलमिलाते जर्किन के नग, जो कि युवतियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

घड़ी नौकरीपेशा युवतियों की जरूरत चौड़े बेल्ट की बड़े डायल वाली घड़ी आजकल नौकरीपेशा युवतियों की पसंद बनी हुई है। वहीं कॉलेज गोइंग युवतियों को स्पोर्टी व ट्रेंडी लुक वाली घड़ियाँ पहने आसानी से देखा जा सकता है। मोटी लड़कियों की कलाई में बड़े डायल वाली घड़ी व पतली-दुबली लड़कियों की कलाई में स्पोर्टी घड़ियाँ खूब जँचती हैं।

फैशन ने बदले रंग...

इन दिनों हम जहाँ भी नजर दौड़ाएँ रंगों का कुंभ-सा दिखाई देता है। पहले रंगों का यूज सिर्फ कपड़ों तक ही सीमित था, उनमें भी मौसम के अनुसार कुछ गिने-चुने रंग... लेकिन इन दिनों हर चीज पर रंगों का प्रभाव नजर आ रहा है।

कुछ साल पहले तक कारों के मामले में हमें प्रयोग पसंद नहीं आते थे, सफेद, काला और कोई इस मामले में बहुत बहादुर हो तो लाल... लेकिन अब नीला-पीला-हरा जो चाहें उस रंग की कार मिल जाएगी। इसी तरह मोबाइल फोन, लैपटॉप, आई-पॉड हो या फिर कॉस्मेटिक हो, हर कहीं तमाम तरह के रंग दिखने लगे हैं।

यह तो तयशुदा सच है कि रंगों का मानवीय भावनाओं पर जादुई असर होता है। माना जाता है कि रंग इंसान के ब्रेन को बूस्ट करते हैं। शायद यही वजह है कि इन दिनों रंगों की बहार आई हुई नजर आ रही है। विंटर में हमारे डिजायनर कलेक्शन में पहले काले और भूरे रंग बेशुमार होते थे, अब सारे ट्रेडिशनल कलर नजर आने लगे हैं।

यहाँ तक कि किताबों के कवर तक खूब रंग-बिरंगे होने लगे हैं। गजैट्स जैसे मोबाइल फोन, आई-पॉड और लैपटॉप तक चटकीले रंगों में नजर आने लगे हैं। इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं, लेकिन बदलाव की ख्वाहिश लगातार बनी हुई है।

देश के बड़े डिजायनर अब यह कहने लगे हैं कि रंग हमारे तनावग्रस्त जीवन को राहत पहुँचाते हैं और हमें खुश रखते हैं। अब जबकि दुनिया का मौसम बदल रहा है तो फिर हम क्यों नहीं बदलें? भारत में गर्मियाँ इससे पहले कभी इतनी गर्म नहीं थीं और अमेरिका में इस साल से पहले सर्दी में कभी इतनी ठंड नहीं पड़ी, पिछले दशक में हमारी जीवन शैली जिस नाटकीय ढंग से बदली है, तो हमारे लिए यह बदलाव भी जरूरी है।

अब हो तो यह भी रहा है कि काला रंग सर्दियों से ज्यादा गर्मियों में बिक रहा है। डिजायनर अरुण आहूजा कहते हैं कि - रंग हर जगह चीज को प्रभावित कर रहे हैं, चाहे वे कपड़े हों, मोबाइल फोन, लैपटॉप हों या फिर कारें...। शरद के अपने रंग हैं, आप इसमें बसंत के कुछ रंग जोड़कर कुछ नया कर सकते हैं।

किसी बुक स्टोर के आसपास टहलते हुए देखें कि प्रकाशक आपको आकर्षित करने के लिए कितने जतन करते हैं, और इसमें किताबों के रंग-बिरंगे कवर सबसे ऊपर हैं। प्रकाशक रोशन राजानी कहते हैं कि - कवर हमारी प्राथमिकता पर है। परिवर्तन को होने से हम रोक नहीं सकते हैं, तो हमें किताबों के कवर पर प्रयोग करते रहना होगा। अच्छे रंगों का प्रयोग और रचनात्मक डिजाइन निश्चित तौर पर पाठकों का ध्यान आकर्षित करती है। यह पूरी तरह से एक मार्केटिंग स्ट्रेटेजी है।

लोग चटख रंगों की तरफ आकर्षित होते हैं तो हम इसका रास्ता चमकीले जैकेट में पाते हैं। यहाँ तक की गंभीर विषय की कि ताबों का कवर भी चटख रंग लिए होता है। इतना ही नहीं इन दिनों टीनेजर्स के लिए मेकअप तक रंगो से सरोबार होता है बालों के रंग से लेकर नेलपेंट और लिप्स्टिक के रंगों में खूब प्रयोग हो रहे हैं। गजैट्स के रंग तो ताज्जुब में डाल देते हैं।

झुमका बरेली

कानों में रुनझुन करती बालियाँ हों या फिर लहराते झुमके। हर किसी युवती की चाहत होती है कि उसके ज्वेलरी बॉक्स में भी सुंदर से सुंदर झुमके हों। जिससे वह इन्हें अपनी ड्रेस के कलर के मैच के हिसाब से पहनकर लोगों की तारीफें पा सके। इस समय बाजार में आपके लिए कंधे तक लहराते मेटल लुक झुमके व मोतियों व कुंदन से सजे इयररिंग्स खास हैं। जिन्हें आप बहुत ही किफायती दामों में खरीदकर पहन सकती हैं।

मेटल लुक

इन दिनों युवतियों में लंबे-लंबे मेटल लुक इयररिंग्स पहनने का क्रेज बना हुआ है। जो कि पत्ती व गोल स्टाइल में चल रहे हैं। इसके साथ ही जरकिन के नग भी इन इयररिंग्स पर लगकर आ रहे हैं, जो कि उन्हें खूबसूरती प्रदान करते हैं। इन इयररिंग्स की कीमत बाजार में 30 से 500 रुपए तक है। इन मेटल इयररिंग को महिलाएँ भी काफी पसंद कर रही हैं।

मैचिंग का क्या कहना

यदि आप किसी शादी या पार्टी में जाना चाहती हैं। तो आपके लिए रंग-बिरंगे कुंदनों व मोतियों से सजे झुमके बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। जिन्हें आप अपने परिधानों के हिसाब से मैच कर पहन सकती हैं। रंग-बिरंगे मोतियों से सजे ये इयररिंग्स आपके लुक में चार चाँद लगा सकते हैं। इन्हें पहनकर आप जहाँ भी जाएँगी तो बस कहने वाले यही कहते रह जाएँगे, बहुत जँच रही हो।